महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 338 | उज्जैन, बुधवार 20 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

'परिस्थितियां' कभी भी, 'समस्या' नहीं बनती 'समस्या' तभी बनती है जब, हमें 'परिस्थितियों' से 'निपटना' नहीं आता है...!

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत उज्जैन में 25-26 मई को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा

भोपाल में होगा 27 मई से 2 जून तक सदानीरा समागम

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जल आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। राज्य में नदी, तालाब और पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित एवं संवर्धित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अब व्यापक जनभागीदारी के साथ एक जन अभियान का रूप ले चुका है। इस अभियान में प्रदेश में अब तक 1 लाख 81 हजार 763 जल संरक्षण संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा उज्जैन में 25-26 मई को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर सहित कई लोकप्रिय कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इसके साथ ही, वीर भारत न्यास द्वारा भोपाल में भारत भवन में 27 मई से 2 जून तक सदानीरा समागम का आयोजन किया जा रहा है।

उज्जैन में गंगा दशमी के पावन पर्व पर होगी शिप्रा तीर्थ परिक्रमा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम - मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार और महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्री श्रीराम तिवारी ने बताया कि उज्जैन में गंगा दशमी के अवसर पर होने वाली शिप्रा तीर्थ परिक्रमा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण आयोजन है। 25 मई को शुरू होने वाली यह परिक्रमा रामघाट से प्रारंभ होकर नृसिंहघाट, कर्कराज मंदिर, वेधशाला, महामृत्युंजय द्वार और प्रशांतिधाम शनि मंदिर से होते हुए दत्त अखाड़ा घाट पहुंचेगी। यात्रा के पहले दिन श्रद्धालु यहां रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन, गंगा दशमी के अवसर पर यह परिक्रमा रणजीत हनुमान मंदिर, भैरवगढ़, सिद्धवट, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम, गढ़कालिका और गोपाल मंदिर से होते हुए पुनः रामघाट पर पहुंचकर संपन्न होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस परिक्रमा के दौरान माँ शिप्रा को 300 फीट की चुनरी अर्पित की जाएगी।

उज्जैन में 25-26 मई को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत रामघाट पर पंडित ढोली बुआ द्वारा नारद कथा गायन परंपरा पर आधारित हरिकथा का आयोजन 17 मई से प्रतिदिन सायं 7ः30 बजे किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, दत्त अखाड़ा घाट पर आयोजित भजन संध्या में इंदौर के श्रेयश शुक्ला एवं साथी तथा जबलपुर की लोक गायिका संजो बघेल एवं साथियों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी। 26 मई को होने वाले मुख्य कार्यक्रमों में भारतीय नौसेना (इंडियन नेवी) के बैंड की प्रस्तुति होगी। इसके साथ ही मुंबई के केशवम् बैंड द्वारा भजन जैमिंग और प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर एवं साथियों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे भारत भवन में सदानीरा समागम का शुभारंभ - न्यासी सचिव श्री तिवारी ने बताया कि भारत भवन में 27 मई से 2 जून 2026 तक सदानीरा समागम का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 मई को शाम 7 बजे इसका औपचारिक शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे। इस अवसर पर इसरो हैदराबाद के भू-विज्ञान समूह के समूह निदेशक डॉ. ईश्वर चंद्र दास विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सात दिवसीय समागम के माध्यम से जल संरक्षण, भारतीय संस्कृति और पंचमहाभूतों (जल, पृथ्वी, वायु, आकाश और अग्नि) पर केंद्रित एक राष्ट्रीय विमर्श आयोजित होगा। इस आयोजन में देश-विदेश के विद्वान, वैज्ञानिक, कलाकार, पर्यावरणविद् और नीति-निर्माता शामिल होंगे। यह पहला अवसर है जब इसरो , जेके ट्रस्ट, एचयूएल फाउंडेशन, जेके सीमेंट, जेएसडब्ल्यू, टाटा ट्रस्ट, एमडीएल, आईजीआरएमएस, हीरो फ्यूचर एनर्जीस, ओएनजीसी, हिन्दुस्तान पावर, वेदांता ग्रुप और टाटा संस जैसी बड़ी कंपनियों व संस्थाओं के प्रतिनिधि जल संरक्षण के विषय पर एक मंच पर एकत्रित हो रहे हैं। इस समारोह में फिजी, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, वेनेजुएला, मैक्सिको, सूरीनाम, इक्वाडोर, साइप्रस और नेपाल सहित नौ देशों के राजनयिक प्रतिनिधि भी भाग लेंगे, जिससे यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले रहा है।

सदानीरा समागम में भारतीय दर्शन के पंचमहाभूतों पर आधारित विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में भूगर्भीय जल स्रोत, पर्यावरण, नवीकरणीय ऊर्जा, संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। इसमें देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं जैसे इसरो, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, आईआईएम बोधगया और विभिन्न कॉर्पोरेट संस्थानों के सीएसआर (छ्स्त्र) प्रमुख हिस्सा लेंगे।समारोह के दौरान प्रतिदिन शाम को नृत्य-नाटिकाएं, लोकगायन और रंगमंचीय प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। इनमें भारतीय नौसेना बैंड की सिम्फनी, गोवर्धन लीला, गंगा यात्रा, अमृतमय, नदी गीत, पानी नामा, लघुशंका नगर, जल प्रवाह, नर्मदे हर, स्वानलेक, क्रिटिकल पॉइंट और नर्मदा हर कंकर शंकर जैसी प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण होंगी। इसके साथ ही, दक्षिण कोरिया की मूट डांस कंपनी की प्रस्तुति विशेष रूप से आयोजित की जा रही है। दर्शकों को क्षेत्रीय संस्कृति से जोड़ने के लिए मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड और बघेलखंड की लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

समागम में 28 मई से 2 जून तक भारत भवन के अभिरंग सभागार में प्रवाह फिल्म समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें जल केंद्रित विषयों पर आधारित हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं की 15-15 डॉक्यूमेंट्री और डॉक्यू-ड्रामा फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इन फिल्मों में प्रमुख रूप से जल संकट, गंगा नदी, जल डाकू, जब हर एक बूंद मायने रखती है, खतरे में नदियाँ और आखिरी बूंद शामिल हैं। इसके साथ ही, परिसर में जल, जंगल, जीवन पर केंद्रित राष्ट्रीय जनजातीय चित्रांकन कार्यशाला और पारंपरिक चित्र शैलियों में जल कार्यशाला का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें देश भर के कलाकार भाग लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

'चिकन नेक' कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर गंभीर, केंद्र को 120 एकड़ जमीन देगी शुभेंदु सरकार

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल की नई भाजपा सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ा और रणनीतिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले उत्तर बंगाल में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'चिकन नेक' कॉरिडोर (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) क्षेत्र में लगभग 120 एकड़ जमीन केंद्र सरकार को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे आमतौर पर 'चिकन नेक' कहा जाता है, भारत के मुख्य भूभाग को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाला बेहद संकरा भूभाग (गलियारा) है। यह इलाका रणनीतिक रूप से इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसके आसपास बांग्लादेश, नेपाल और भूटान की सीमाएं स्थित हैं, जबकि चीन सीमा की दूरी भी अपेक्षाकृत कम है। विशेषज्ञों के मुताबिक, कॉरिडोर के कुछ हिस्सों की चौड़ाई महज 20 से 22 किलोमीटर है, जिससे किसी भी सैन्य या भू-राजनीतिक संकट की स्थिति में यह क्षेत्र संवेदनशील बन जाता है। यही कारण है कि भारतीय सुरक्षा रणनीति और रक्षा योजनाओं में 'चिकन नेक' कॉरिडोर की अहम भूमिका रही है। बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार के बार-बार अनुरोध के बावजूद इससे पहले राज्य में पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया लंबे समय तक अटकी थी। राज्य में हाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार ने इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। यह कॉरिडोर पूर्वोत्तर के आठों राज्यों के लिए देश की जीवनरेखा माना जाता है। सड़क, रेल, सैन्य आपूर्ति, व्यापारिक गतिविधियों और रसद संचालन के लिए यही मुख्य संपर्क मार्ग है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की भूमि उपलब्धता को राष्ट्रीय महत्व का विषय माना जाता है। हालांकि केंद्र सरकार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया है कि इस जमीन का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाएगा, लेकिन माना जा रहा है कि यहां रक्षा ढांचा, लॉजिस्टिक्स हब, सुरक्षा प्रतिष्ठान, कनेक्टिविटी विस्तार या अन्य रणनीतिक परियोजनाएं विकसित की जा सकती हैं।

अब प्राइवेट होटलों और ढाबों पर नहीं रुकेंगी हरियाणा की रोडवेज बसें, अनिज विज का सख्त आदेश

चंडीगढ़/ जीएनएस। हरियाणा राज्य परिवहन की सभी एचवीएसी बसों को जलपान हेतु केवल हरियाणा पर्यटन विभाग के अधिकृत केंद्रों, रेस्टोरेंट और ढाबों पर ही रोका जाएगा। परिवहन मंत्री अनिल विज के निर्देशों की अनुपालना में हरियाणा राज्य परिवहन के महानिदेशक द्वारा सभी महाप्रबंधकों को इस संबंध में पत्र जारी कर दिया गया है। परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण में जलपान की सुविधा मिल सके। विज ने बताया कि हरियाणा पर्यटन विभाग के ढाबे गुणवत्ता, स्वच्छता और सरकारी मानकों के अनुरूप संचालित होते हैं। ऐसे में राज्य परिवहन की एचवीएसी बसों को केवल अधिकृत पर्यटन ढाबों (हरियाणा क्षेत्र) पर रोकने से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी और परिवहन व्यवस्था में अधिक पारदर्शिता एवं अनुशासन सुनिश्चित होगा। अनिल विज के अनुसार विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि हरियाणा क्षेत्र में किसी भी स्थिति में एचवीएसी बसों को निजी ढाबों पर न रोका जाए। इसके लिए सभी चालकों एवं परिचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

फरवरी में एअर इंडिया की लंदन फ्लाइट में आई थी दिक्कत, अब 787 विमान के फ्यूल स्विच मॉड्यूल की होगी विस्तृत जांच

नई दिल्ली/ जीएनएस। एअर इंडिया के ड्रीमलाइनर विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच मॉड्यूल की विस्तृत जांच की जाएगी। फरवरी में एक पायलट ने इस मॉड्यूल में कुछ दिक्कत होने की जानकारी दी थी। एयरलाइन ने बताया कि यह जांच पूरी सावधानी बरतने के मकसद से की जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने फैसला किया है कि उस खास स्विच मॉड्यूल की विस्तृत जांच अमेरिका में बोइंग की फैक्ट्री में की जाएगी।

एअर इंडिया ने पूरी की फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच - 2 फरवरी को, AI132 फ्लाइट के संचालन के बाद, एअर इंडिया के एक पायलट ने बोइंग 787-8 विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच में एक खराबी की सूचना मिली थी, क्योंकि एक दिन पहले 1 फरवरी को लंदन में इंजन चालू करते समय विमान को फ्यूल कंट्रोल स्विच से जुड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ा था। इस मामले के सामने आने के बाद, एअर इंडिया ने अपने सभी चालू बोइंग 787 विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की एहतियातन दोबारा जांच की और इस पूरी जांच के दौरान कोई दिक्कत नहीं पाई गई।

AI132 फ्लाइट के फ्यूल कंट्रोल स्विच के बारे में पूछे जाने पर, एअर इंडिया के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि फ्यूल स्विच मॉड्यूल पूरी तरह से काम कर रहा है, इसकी पुष्टि मूल उपकरण निर्माता और DGCA, दोनों ने पहले ही कर दी थी।

इस मामले में आगे की जांच का फैसला, पूरी सावधानी बरतते हुए उस पुर्जे का पूरी तरह और निर्णायक मूल्यांकन सुनिश्चित करने के मकसद से लिया गया है।

डेटा चोरी और डिजिटल अरेस्ट पर SC सख्त, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को दिए निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने देश के नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा और विदेशी सर्वरों पर कथित रूप से संग्रहीत भारतीयों के चोरी हुए व्यक्तिगत डाटा को वापस पाने या नष्ट करने के मामले में एक बड़ा कदम उठाया है। कोर्ट ने इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह इस संबंध में दायर एक जनहित याचिका पर गंभीरता से विचार करे।

साइबर सुरक्षा सलाहकार नीतीश कुमार द्वारा दायर इस याचिका में मांग की गई थी कि विदेश में संग्रहीत भारतीयों के डाटा को सुरक्षित करने के लिए एक मजबूत तंत्र बनाया जाए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ ने याचिका को एक पूरक प्रतिवेदन के रूप में मंत्रालय के पास भेजते हुए उचित कदम उठाने को कहा है। विदेशी सर्वरों पर भारतीयों का डाटा और डिजिटल अरेस्ट का खतरा सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि कम से कम पांच देशों में मौजूद संस्थाओं द्वारा भारतीयों का डाटा चुराया गया है, जिसका इस्तेमाल अब नागरिकों के खिलाफ एक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

फिंगरप्रिंट और व्यक्तिगत पहचान जैसी बेहद संवेदनशील जानकारियों का दुरुपयोग कर डिजिटल अरेस्ट और जबरन वसूली जैसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है। कोर्ट ने इस चिंता की गंभीरता को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि जब तक संबंधित देशों के साथ प्रत्यर्पण संधि न हो, आरोपितों को भारत लाना मुश्किल है।

एसी-कूलर ने बढ़ाई टेंशनः क्या महंगी हो जाएगी बिजली? पीक डिमांड ने तोड़ा रिकॉर्ड

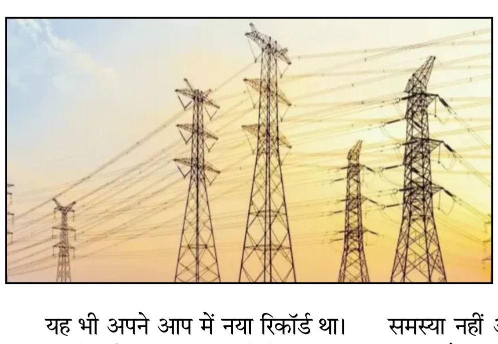

नई दिल्ली/ जीएनएस। लगातार बढ़ती गर्मी और एयर कंडीशनर-कूलरों की बढ़ती मांग के कारण देश में बिजली की पीक डिमांड रोजाना नया रिकॉर्ड बना रही है।

मंगलवार दोपहर 3ः40 बजे पीक पावर डिमांड 260.45 जीडब्लू (2.604 लाख मेगावाट) पहुंच गई, जो देश के लिए अब तक का सर्वोच्च रिकॉर्ड है।

दोपहर 3ः31 बजे पहली बार बिजली की मांग 2.60 लाख मेगावाट को पार की थी। कल (18 मई) पीक डिमांड 2.573 लाख मेगावाट रही थी। यह भी अपने आप में नया रिकॉर्ड था।

देश के अधिकांश हिस्से में गर्मी बढ़ जाने की वजह से बिजली की मांग में लगातार वृद्धि की संभावना है। बिजली मंत्रालय ने इस दौरान बिजली की मांग 2.71 लाख मेगावाट के उच्चतम स्तर पर पहुंचने का अनुमान लगाया है।

सरकारी आंकड़ों से साफ है कि 2.60 लाख मेगावाट बिजली की रिकॉर्ड मांग को भी पूरा करने में कोई समस्या नहीं आई है। इसकी एक बड़ी वजह सौर ऊर्जा का प्रदर्शन है।

पीक आवर्स (सोलर घंटों) में डिस्ट्रीब्यूटेड सोलर ने लगभग 20,000 मेगावाट का योगदान दिया है। इससे थर्मल पावर संयंत्रों पर दबाव काफी कम हो गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, दिन के पीक टाइम में सौर ऊर्जा कुल बिजली पूर्ति का करीब 20 फीसद संभालने से बिजली संकट की आशंका लगभग समाप्त हो गई है। कल रात (सोमवार) 10ः29 बजे नॉन-सोलर डिमांड भी 2.4721 लाख मेगावाट पहुंच गई है, यह भी एक रिकॉर्ड है।

बिजली मंत्रालय के अनुसार, देश में बिजली की उपलब्धता पर्याप्त है और ग्रीष्मकालीन मांग को पूरा करने के लिए मजबूत तंत्र मौजूद हैं।

रिहायशी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियों की होगी जांच, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के नगर निगम अधिकारियों को आवासीय परिसरों के कथित दुरुपयोग की जांच करने और अनधिकृत निर्माण और भूमि उपयोग उल्लंघन से संबंधित एक मामले में उठाई गई चिंताओं के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने लोगनाथन बनाम तमिलनाडु राज्य मामले में ये निर्देश जारी किए। शीर्ष न्यायालय ने विभिन्न शहरों में भवन निर्माण नियमों और भूमि उपयोग मानदंडों के कथित उल्लंघन के मामलों का उल्लेख किया।

आर्थिक अनिश्चितता को अवसर में बदलें कारोबारी, इंडिया बिजनेस रिफॉर्म समिट में बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली/ जीएनएस। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय कारोबारियों को मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को अवसर में बदलने की सलाह दी है। साथ ही इस स्थिति से नहीं घबराने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को भारत के लिए तेजी से सुधार करने और सप्लाई चेन को मजबूत करने के मौके के तौर पर देखा जाना चाहिए।

एसोचैम के इंडिया बिजनेस रिफार्म समिट 2026 को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, वर्तमान स्थिति सच में एक मौका है, जिससे हमें और गहराई से जुड़ना चाहिए।

पश्चिम एशिया संकट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी उभरती टेक्नोलॉजी भारतीय इंडस्ट्री के लिए मौके लेकर आई है। गोयल ने इंडस्ट्री से जापानी मैन्यूफैक्चरिंग सिस्टम सहित वैश्विक स्तर पर मौजूद अच्छी प्रथाओं को अपनाने का आग्रह किया है।

टैरिफ, यूक्रेन विवाद और पश्चिम एशिया संकट जैसे वैश्विक चुनौतियों के बावजूद पिछले वित्त वर्ष में भारत का निर्यात 863 अरब डालर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया है।

उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान मिले सुझावों का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि सरकार औद्योगिक पार्क में एक एकल संस्था बनाने की संभावना तलाश रही है, जहां से सभी तरह की केंद्रीय और प्रदेशस्तरीय मंजूरी मिल सकें।

उन्होंने सरकारी सिस्टम को बेहतर बनाने में निजी क्षेत्र से ज्यादा योगदान करने की भी अपील की।

पीएम मोदी ने ऐसा क्या कहा जो चौंक गईं आइसलैंड की प्रधानमंत्री?

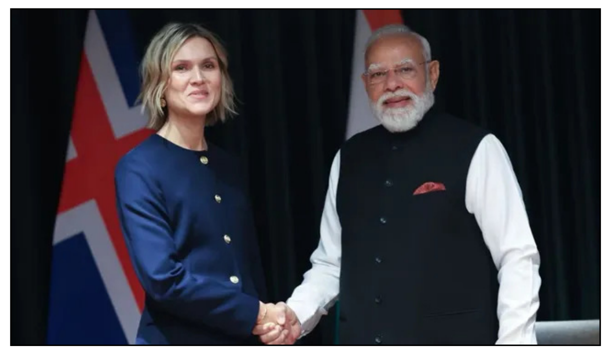

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपीय देश आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रून फ्रॉस्टाडॉटिर से मुलाकात की। पीएम मोदी और क्रिस्ट्रून फ्रॉस्टाडॉटिर के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने आइसलैंड की प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात की फोटो भी सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रून फ्रॉस्टाडॉटिर ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद संबंध शब्द की ओर ध्यान दिलाया। साथ ही भारत और आइसलैंड के बीच इस शब्द की भाषाई और भावनात्मक गूंज का जिक्र किया।

संबंध शब्द पर क्रिस्ट्रून फ्रॉस्टाडॉटिर ने दिया जोर- आइसलैंड की प्रधानमंत्री ने आज मंगलवार को भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के दौरान बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का जवाब दिया जिसमें उन्होंने बताया था कि कई नॉर्डिक भाषाओं में इस शब्द का वही अर्थ है जो हिंदी में है।

आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रून फ्रॉस्टाडॉटिर ने कहा, हमने मुक्त व्यापार समझौतों के जरिए देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने आइसलैंड से भारत में आने वाले निवेश में बढ़ोतरी का जिक्र किया है।

क्रिस्ट्रून फ्रॉस्टाडॉटिर ने आगे कहा, ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो दोनों देश मिलकर कर सकते हैं और मुझे बस एक बात कहनी है, मुझे वह शब्द संबंध बहुत पसंद है। यह पूरी तरह से आइसलैंडिक शब्द जैसा लगता है। लोग इस भाषा के प्रति बहुत समर्पित होंगे, प्रधानमंत्री मोदी, क्योंकि लोगों को इसी की जरूरत है। आज उन्हें और अधिक संबंधों की जरूरत है।

भारत-आइसलैंड की बीच मजबूत बनें संबंध- आइलैंड की प्रधानमंत्री ने कहा, पीएम मोदी ने इस शब्द का इस्तेमाल हमारी सोच की निकटता की ओर ध्यान दिलाने के लिए किया था। आज, मैंने संबंध शब्द का कई बार इस्तेमाल किया।

पीएम क्रिस्ट्रून फ्रॉस्टाडॉटिर ने बताया, कई नॉर्डिक भाषाओं में, संबंध शब्द का अर्थ है जुड़ाव, रिश्ते, एक बंधन। हिंदी में भी, संबंध का वही अर्थ होता है। यह सिर्फ शब्दों की समानता नहीं है, यह हमारी सोच की निकटता को दर्शाता है।

आइसलैंड की प्रधानमंत्री ने कहा, आइए हम हर क्षेत्र में अपने बीच के बंधनों को और मजबूत करें और भारत-नॉर्डिक साझेदारी को साझा समृद्धि, नवाचार और एक टिकाऊ भविष्य का एक आदर्श बनाएं।

इस शिखर सम्मेलन में स्थिरता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और उन्नत तकनीकी सहयोग पर जोर दिया गया। भारत और नॉर्डिक देशों डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन के नेता एक साथ इस शिखर सम्मेलन का हिस्सा बने, ताकि भविष्य के सहयोग के लिए एक साझा दृष्टिकोण तैयार किया जा सके।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के लिए शहर को दिया जा रहा कलात्मक स्वरूप, पेंटिंग्स से स्वच्छता का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर में स्वच्छता के लिए पहचान बना चुके इंदौर शहर को अब स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत और अधिक आकर्षक एवं कलात्मक स्वरूप दिया जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख स्थलों, सार्वजनिक दीवारों, चौराहों और भवनों पर थीम आधारित आर्टिस्टिक पेंटिंग का कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

नगर निगम की इस पहल का उद्देश्य शहर को स्वच्छता के साथ सुंदरता और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ना है। शहर की दीवारों, सीटीपीटी, बैकलेन, पुलों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर बनाई जा रही रंग-बिरंगी पेंटिंग्स के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ, हरियाली, महिला सशक्तिकरण और भारतीय संस्कृति का संदेश दिया जा रहा है।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार स्वच्छ सर्वेक्षण में केवल साफ-सफाई ही नहीं, बल्कि शहर की समग्र सुंदरता, नागरिक सहभागिता और सार्वजनिक स्थानों की आकर्षक प्रस्तुति को भी विशेष महत्व दिया जाता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इंदौर को स्वच्छता के साथ सुंदरता की थीम पर विकसित किया जा रहा है।

शहर के कई हिस्सों में स्थानीय कलाकारों और युवाओं की मदद से भित्ति चित्र तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय कला और प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। इन कलात्मक चित्रों के कारण शहर के सार्वजनिक स्थल आकर्षण का केंद्र बनते जा रहे हैं और लोग यहां फोटो एवं सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

नगर निगम का मानना है कि जब सार्वजनिक स्थान सुंदर और प्रेरणादायक दिखाई देते हैं तो नागरिकों में भी स्वच्छता बनाए रखने की भावना मजबूत होती है। इसी के तहत नागरिकों से अपील की गई है कि वे सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखें, दीवारों को नुकसान न पहुंचाएं और शहर की सुंदरता बनाए रखने में अपनी सहभागिता निभाएं।

नगर निगम की यह पहल स्वच्छता और कलात्मक सौंदर्य का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है, जो न केवल शहरवासियों को आकर्षित कर रही है बल्कि इंदौर आने वाले पर्यटकों के लिए भी शहर को और अधिक खूबसूरत एवं यादगार बना रही है।

आयुक्त ने बीजलपुर नर्मदा कंट्रोल रूम का किया औचक निरीक्षण, जलप्रदाय व्यवस्था की समीक्षा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने मंगलवार सुबह शहर की जलप्रदाय व्यवस्था का जायजा लेने के लिए बीजलपुर स्थित नर्मदा कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कंट्रोल रूम से दूरभाष के माध्यम से जलप्रदाय से जुड़े सहायक यंत्रियों से चर्चा कर नर्मदा जलप्रदाय की टंकियों की स्थिति, भराव क्षमता और विभिन्न क्षेत्रों में जल वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को जल आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त ने टैंकरों के माध्यम से किए जा रहे जलप्रदाय की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में किसी कारणवश नियमित जलप्रदाय में परेशानी हो रही हो, वहां तत्काल टैंकरों के जरिए पानी उपलब्ध कराया जाए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इसके साथ ही आयुक्त ने हाइड्रेंट से टैंकर भरने की प्रक्रिया की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और जल वितरण व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखने को कहा।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए शहर में जलप्रदाय व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी की जा रही है।

बच्चों ने डांस के जरिए दिया सड़क सुरक्षा का संदेश, यातायात नियमों के पालन के लिए किया जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को यातायात पुलिस इंदौर द्वारा विशेष सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने रोड सेफ्टी सॉन्ग पर आकर्षक प्रस्तुति देकर लोगों को यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया।

कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। इस दौरान बीट किलर डांस स्टूडियो के बच्चों ने डांस के माध्यम से सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए।

बच्चों ने अपनी प्रस्तुति में वाहन पर क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठाने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, रेड लाइट का पालन करने, गलत दिशा में वाहन नहीं चलाने तथा हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग का संदेश दिया। बच्चों ने डांस स्टेप्स और संदेश लिखी तख्तियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने बच्चों और डांस ट्रेनर की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां लोगों तक सड़क सुरक्षा का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में बच्चों के परिजन भी मौजूद रहे।

यातायात पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शहर में लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

20 जून को 10 पुल-पुलियों का लोकार्पण, दिसंबर 2026 तक सभी ब्रिज परियोजनाएं पूरी करने का लक्ष्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में निर्माणाधीन पुल-पुलियों और ब्रिज परियोजनाओं की प्रगति को लेकर मंगलवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में आईडीए, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और एमपीआरडीसी अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने चल रही परियोजनाओं की स्थिति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी।

बैठक में नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे 19 पुल-पुलियों की समीक्षा की गई। इनमें से करीब 10 परियोजनाएं पूर्णता के करीब पहुंच चुकी हैं, जिनका सामूहिक लोकार्पण आगामी 20 जून को किया जाएगा। बैठक में जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एमपीआरडीसी अधिकारियों ने बताया कि बारिश शुरू होने से पहले चार प्रमुख ब्रिजों के आसपास की सर्विस रोड और ब्रिज के नीचे के मार्ग तैयार कर लिए जाएंगे, ताकि मानसून के दौरान यातायात प्रभावित न हो और नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार रेती मंडी ब्रिज का राजेंद्र नगर से राऊ की ओर जाने वाला हिस्सा लगभग तैयार हो चुका है और जल्द ही इसे एक दिशा में यातायात के लिए शुरू किया जाएगा। वहीं नीचे की सर्विस रोड पूरी होने के बाद मानसून के पश्चात पूरे ब्रिज को चालू कर दिया जाएगा।

आईडीए अधिकारियों ने बताया कि लवकुश चौराहा स्थित डबल डेकर ब्रिज को जुलाई अंत तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही चंदन नगर पुल निर्माण के लिए जल्द निविदा जारी की जाएगी। परियोजना से जुड़ी बिजली, पानी और अन्य यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य नगर निगम द्वारा किया जा रहा है।

बैठक में यह भी बताया गया कि एमआर-4 ब्रिज परियोजना में अभी कुछ समय और लग सकता है, लेकिन सभी निर्माण एजेंसियों ने दिसंबर 2026 तक शहर की सभी प्रमुख ब्रिज परियोजनाएं पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया है।

महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के दौरान नागरिकों को यातायात संबंधी परेशानी न हो, इसके लिए सर्विस रोड समय पर तैयार की जाएं और जहां संभव हो, अधूरे हिस्सों को भी शीघ्र यातायात के लिए खोला जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान जारी, 32 कार्यक्रमों में 4370 से अधिक हेलमेट वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में अब तक 32 हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 4370 से अधिक हेलमेट जरूरतमंद वाहन चालकों को वितरित किए गए हैं।

मंगलवार को पलासिया चौराहे पर इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 32वां हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें वृहद जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अभियान के दौरान ऐसे दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए गए, जिनके पास वाहन संबंधी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण थे लेकिन वे बिना हेलमेट वाहन चला रहे थे। नियम उल्लंघन करने वाले चालकों का पहले चालान बनाया गया और बाद में उन्हें सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट वितरित किए गए। इसके साथ ही स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वाले जिम्मेदार चालकों की प्रशंसा करते हुए उन्हें उपहार देकर सम्मानित भी किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हेलमेट जागरूकता कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य लोगों को सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता से अवगत कराना और यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना है।

लोकगीतों के माध्यम से दिया सड़क सुरक्षा का संदेश, यातायात नियमों के पालन के लिए किया जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को इंदौर यातायात पुलिस द्वारा विशेष सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी मौजूद रहे। इस दौरान गुरु वाणी लोकगीत भजन मंडली के विक्रम सिंह और उनके साथियों ने लोकगीतों एवं भजनों की प्रस्तुति देकर सड़क सुरक्षा नियमों के महत्व को प्रभावी ढंग से समझाया।

लोकगीतों के माध्यम से मानव जीवन के महत्व, सुरक्षित वाहन संचालन और यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया गया। प्रस्तुतियों के जरिए लोगों को हेलमेट पहनने, यातायात संकेतों का पालन करने और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कार्यक्रम के बाद लोकगीत मंडली के सदस्यों से मुलाकात कर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक माध्यमों से दिया गया संदेश लोगों तक अधिक प्रभावी तरीके से पहुंचता है और इससे समाज में जागरूकता बढ़ती है।

यातायात पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शहर में लगातार विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने की दिशा में निगम की पहल, थैला और बर्तन बैंक से बढ़ रही जागरूकता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में नगर निगम द्वारा लगातार प्रभावी पहल की जा रही है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार शहरभर में थैला बैंक और बर्तन बैंक संचालित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से नागरिकों को पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

नगर निगम की सहयोगी एनजीओ संस्थाओं द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों और रहवासी इलाकों में इन बैंकों का संचालन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को प्लास्टिक की जगह कपड़े के थैलों और पुनः उपयोग योग्य बर्तनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि शहर में प्लास्टिक कचरे की मात्रा कम हो सके और स्वच्छ व पर्यावरण अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सके।

थैला बैंक के माध्यम से नागरिकों को कपड़े के थैले उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि बर्तन बैंक के जरिए सामाजिक, पारिवारिक एवं सार्वजनिक आयोजनों में स्टील और अन्य पुनः उपयोग योग्य बर्तनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

नगर निगम द्वारा इन योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए लगातार जनजागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। अभियान के दौरान नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए टिकाऊ और पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विभिन्न बाजारों और सामाजिक आयोजनों में पहुंचकर लोगों को कपड़े के थैलों और पुनः उपयोग योग्य बर्तनों के इस्तेमाल के लिए जागरूक किया जा रहा है।

नगर निगम के अनुसार वर्तमान में शहर में कुल 7 थैला बैंक और 5 बर्तन बैंक संचालित किए जा रहे हैं। थैला बैंकों के माध्यम से अब तक 4800 कपड़े के थैलों का निःशुल्क वितरण तथा 1400 थैलों का विक्रय किया जा चुका है। वहीं बर्तन बैंकों के जरिए 110 परिवारों और संस्थाओं ने विभिन्न आयोजनों में पुनः उपयोग योग्य बर्तनों का इस्तेमाल किया है।

इसके अलावा थैला बैंक के लिए 206 और बर्तन बैंक के लिए 83 जनजागरूकता अभियान भी आयोजित किए जा चुके हैं। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद कर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं और कपड़े के थैलों तथा पुनः उपयोग योग्य बर्तनों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं।

भीषण गर्मी में जलापूर्ति बनाए रखने के लिए निगम अलर्ट, रोजाना 380 एमएलडी पानी की सप्लाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी और बढ़ती पानी की मांग के बीच इंदौर नगर निगम शहरवासियों को नियमित जलापूर्ति उपलब्ध कराने के लिए लगातार सक्रिय है। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन करीब 380 एमएलडी पानी की सप्लाई की जा रही है, ताकि शहर में पेयजल व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि गर्मी बढ़ने के कारण शहर के कई बोरवेल सूख गए हैं और घरेलू जल उपयोग में भी लगातार वृद्धि हुई है, जिससे जल व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ है। इसके बावजूद नगर निगम विभिन्न प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष जल स्रोतों के माध्यम से शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पानी पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि जिन इलाकों में पाइपलाइन सुविधा उपलब्ध नहीं है अथवा बोरवेल सूख चुके हैं, वहां टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। जल वितरण व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और जल प्रदाय नियंत्रण कक्ष से नियमित समीक्षा कर आवश्यक सुधार भी किए जा रहे हैं।

महापौर ने जानकारी दी कि बड़वाह क्षेत्र में रात के समय हुए तकनीकी शटडाउन के कारण कुछ जल टंकियों की सप्लाई प्रभावित हुई थी। प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल अतिरिक्त टैंकर भेजकर पानी उपलब्ध कराया गया, जिससे नागरिकों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि बुधवार से स्थिति में और सुधार होने की उम्मीद है।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार शहर में जहां से भी जलापूर्ति संबंधी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां तत्काल टैंकर भेजकर समस्या का निराकरण किया जा रहा है, ताकि भीषण गर्मी के दौरान नागरिकों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े।

क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, एक करोड़ की एमडी ड्रग्स और हथियार के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर क्राइम ब्रांच ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब एक करोड़ रुपए कीमत की एक किलो एमडी ड्रग्स, एक अवैध देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक स्कॉर्पियो वाहन और दो मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। कुल जब्त मशरुका की कीमत करीब 1 करोड़ 21 लाख 20 हजार रुपए बताई गई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश एवं पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं पुलिस उपायुक्त क्राइम ब्रांच के निर्देशन में गठित टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई।

क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सुपर कॉरिडोर स्थित टीसीएस चौराहे के पास काले रंग की स्कॉर्पियो वाहन से कुछ तस्कर भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स की सप्लाई करने आने वाले हैं। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच टीम ने वीर तेजाजी मंदिर चौराहा, टिगरिया बादशाह काकड़ रोड क्षेत्र में घेराबंदी की।

पुलिस को देखकर आरोपी स्कॉर्पियो और मोटरसाइकिलों से भागने लगे। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके से सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान स्कॉर्पियो के डैशबोर्ड से एक किलो एमडी ड्रग्स बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्टीय कीमत करीब एक करोड़ रुपए बताई जा रही है। आरोपियों के पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी मिला।

गिरफ्तार आरोपियों में नवीन सोलंकी निवासी झालावाड़ राजस्थान, गोविंद वर्मा निवासी सिलिकॉन सिटी इंदौर, शंकर सिंह निवासी झालावाड़ राजस्थान, विक्रम सिंह निवासी उज्जैन तथा नरेंद्र सिंह निवासी उज्जैन शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपी नवीन सोलंकी और गोविंद सैलून में काम करने के साथ रैपिडो चलाते हैं, जबकि अन्य आरोपी खेती-किसानी का कार्य करते हैं।

क्राइम ब्रांच थाना इंदौर ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट एवं आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों से ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क और इसके स्रोत के संबंध में पूछताछ कर रही है।

त्योहारों को लेकर मल्हारगंज और सदर बाजार क्षेत्र में पुलिस का पैदल मार्च, मोहल्ला समिति की बैठक आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को जोन-1 पुलिस द्वारा मल्हारगंज एवं सदर बाजार थाना क्षेत्र में व्यापक पैदल मार्च निकाला गया। पुलिस उपायुक्त जोन-1 एवं एसीपी मल्हारगंज के नेतृत्व में पुलिस बल ने संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को सुरक्षा का संदेश दिया। पैदल मार्च जिंसी चौराहा, शंकरगंज, मल्हार पलटन, जिंसी हाट मैदान, कड़ाबिन, गोपाल निवास चौराहा, नेमिनाथ चौराहा और टोरी कॉर्नर क्षेत्र में निकाला गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र के रहवासियों और व्यापारियों से संवाद कर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। मल्हार पलटन क्षेत्र में पुलिस उपायुक्त द्वारा मोहल्ला समिति की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित नागरिकों को आगामी त्योहार आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाने की समझाइश दी गई। अधिकारियों ने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक के दौरान उपस्थित बच्चों को चॉकलेट भी वितरित की गई। थाना प्रभारी मल्हारगंज द्वारा जिंसी चौराहे पर भी मोहल्ला समिति की बैठक ली गई। अधिकारियों ने जिंसी क्षेत्र को सांप्रदायिक दृष्टि से संवेदनशील बताते हुए लोगों से किसी भी प्रकार के विवाद और तनावपूर्ण स्थिति से दूर रहने का आग्रह किया। इसके साथ ही गोरा कुंड चौराहा और जिंसी चौराहा जैसे व्यस्ततम क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को भी सुचारू किया गया। वहीं सदर बाजार थाना क्षेत्र के मराठी मोहल्ला, जूना रिसाला और बड़वाली चौकी क्षेत्र में भी पुलिस अधिकारियों एवं बल के साथ भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

दलौदा में व्यापारी पर हमला कर दी धमकी, आक्रोश पर नगर बंद रहा, प्रशासन अलर्ट, शांति रही

गाड़ी अड़ने पर हुए विवाद को समझाने पहुंचे थे व्यापारी, हिन्दू संगठनों ने किया प्रदर्शन, एसडीएम व एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा नगर में मंगलवार दोपहर गाड़ी अड़ने की बात पर हुए विवाद में समझाने पहुंचे व्यापारी पर एक अन्य वर्ग के युवकों ने मारपीट की। इस पर व्यापारी के सिर पर भी हमला किया गया। गंभीर हालत में व्यापारी को घायल अवस्था में दलौदा से रैफर किया गया है। उधर, आरोपी युवकों ने जाते-जाते धमकी भी दी। इस बात को लेकर हिन्दू समाज में आक्रोश पनप गया। बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग सहित कई हिन्दूवादी लोग दलौदा थाने पहुंचे। बाद में आक्रोशित हिन्दूवादी संगठनों के लोगों द्वारा नगर कराया गया। इस दौरान बाईक रैली भी निकाली। मामले में दलौदा थाना पुलिस ने दो नामजद सहित चार पर विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। उधर, शांति भंग करने के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि गाड़ी अड़ने की बात पर विवाद घायल व्यापारी की दुकान पर कार्यरत दो लड़कों पर अन्य युवकों के बीच हुआ था। मामले में ज्ञापन प्रदर्शन के बाद नगर में शांति का माहौल रहा।

दलौदा थाना पुलिस के अनुसार व्यापारी प्रदीप पिता ज्ञानचंद लालवानी 58 वर्ष निवासी अभिनंदन कॉलोनी मंदसौर की दलौदा चौपाटी पर कृष्णा प्लाइंट नाम से जनरल स्टोर की दुकान है। दुकान पर दलौदा निवासी युवक हुसैन खां तथा महावीर उनकी दुकान पर कार्यरत हैं। दोनों दुकान के कार्य से दोपहर के समय बाईक से गोडाउन की ओर जा रहे थे। इस दौरान दुकान के सामने अन्य वर्ग के युवक अल्ला रखां पिता गफ्फार हुसैन एवं अजहर पिता गफ्फार हुसैन निवासी गौतम नगर दलौदा तथा दो अन्य युवक बाइक से जा रहे थे । यहां बाईक थोड़ी अड़ गई। बाईक अड़ने की बात पर दोनों पक्षों में विवाद हुआ। इस दौरान जब व्यापारी प्रदीप लालवानी दुकान के बाहर भीड़ देखकर बाहर आया तो उनके साथ अन्य चार युवकों ने अभद्र व्यवहार किया। एक युवक ने लोहे की रॉडनुमा वस्तु से प्रदीप के सिर पर मार दी। झगड़े में प्रदीप के बेटे मुकेश के साथ भी मारपीट की गई। आरोपी युवकों व्यापारी प्रदीप लालवानी को जाते समय धमकी भी दी। आरोप है कि दुकान में आगजनी की भी बात कही है। इसकी सूचना मिलने पर हिन्दूवारी संगठनों के लोग एकत्र हुए। बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोगों ने भी दलौदा थाने जाकर विरोध दर्ज कराया। बाद में धीरे-धीरे मामला आक्रोश में बदल गया। हिन्दूवारी संगठनों ने प्रदर्शन किया व बाईक रैली निकाली। इस दौरान प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। संगठनों ने दुकानें भी बंद कराई। इस तरह धीरे-धीरे पूरे दलौदा नगर की दुकानें बंद हो गई। मंगलवार को दलौदा नगर बंद ही रहा । आक्रोश एवं प्रदर्शन के बीच आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शन को लेकर एसडीएम शुभम पाटीदार, एसडीओपी कीर्ति बघेल, तहसीलदार वंदना हरित एवं दलौदा थाना पुलिस तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान एक ज्ञापन भी एसडीएम और एसडीओपी को संयुक्त रूप से दिया गया है। मामले में दलौदा थाना पुलिस ने व्यापारी प्रदीप लालवानी की शिकायत पर अल्ला रखां एवं अजहर हुसैन तथा दो अन्य युवकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। उधर, शांति भंग के आरोप में दलौदा पुलिस ने अल्ला रखां तथा अजहर निवासी दलौदा एवं गुलाम हुसैन पिता मेहबूब खां निवासी ग्राम रिण्डा के खिलाफ धारा 151 में कायमी कर हिरासत में लिया है। मामले में नगर में शांति बनी रही है।

लोकायुक्त टीम पहुंची, स्टाइपेंड व भोजन राशि में गड़बड़ी पर जांच

शासकीय नर्सिंग कॉलेज का है मामला, सीएमएचओ कार्यालय में संबंधितों के दर्ज किए बयान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकायुक्त उज्जैन से एक टीम मंगलवार दोपहर में जिला अस्पताल स्थित सीएमएचओ कार्यालय पहुंची। यहां लोकायुक्त टीम ने सीएमएचओ जीएस चौहान एवं लेखापाल से रिकॉर्ड की जांच करवाई। शिकायत बिन्दु के आधार पर संबंधितों के बयान दर्ज किए हैं। लोकायुक्त को शिकायत मिली थी कि शासकीय नर्सिंग कॉलेज में भोजनशाला में भुगतान में गड़बड़ी तथा छात्रों को मिलने वाले स्टाइपेंड की राशि में भी आर्थिक अनियमितता की गई है। शिकायत की जांच करने ही मंगलवार को टीम मंदसौर पहुंची थीं। हालांकि, टीम जांच के बिन्दु अपने साथ उज्जैन लेकर पहुंची है, ऐसी स्थिति में जांच में क्या आया है, इसका आकलन नहीं हो पाया है। बताया जाता है कि पूर्व में भी लोकायुक्त के इसी शिकायत में मंदसौर आने की स्थिति थी, लेकिन सीएमएचओ कार्यालय में संबधित अधिकारियों की व्यस्तता के चलते मंगलवार को जांच पड़ताल की गई है। मिली जानकारी के अनुसार शासकीय नर्सिंग कॉलेज में छात्राओं को स्टाइपेंड की राशि मिलती है। कॉलेज में करीब चार-पांच माह की 57 58 विद्यार्थियों की स्टाइपेंड की राशि को कॉलेज प्रबंधन द्वारा ठेकेदार के पक्ष में जमा करा दिया है। यह राशि भी लाखों में बनती है। इसके अलावा विद्यार्थियों से वसूली भी गई। यानी प्रत्येक विद्यार्थी से 8060 रुपए भी लिए गए हैं। आरोप है कि जो राशि बनती है उससे अधिक राशि भी नियम विरुद्ध ली गई है। साथ ही भोजनशाला में जो बिल बनता है, उसकी राशि छात्रों से लेकर दी गई है। भोजन की थाली पर सौ प्रतिशत जीएसटी भी जोड़कर बिल बनाने का आरोप है। यह राशि मासिक भुगतान 2200 रुपए प्रति छात्र होना चाहिए, जिसे बढ़ाकर 4400 रुपए कर दिया है । स्टाइपेंड फंड की राशि में चार माह का स्टाइपेंड विद्यार्थियों को सीधे डीबीटी नहीं किया गया है। इसके अलावा जिला अस्साल परिसर में मेस चला रहे ठेकेदार को ही नर्सिंग कॉलेज का ठेका दिया है। बताया गया है कि स्काईबुल सिक्युरिटी प्राईवेट लिमिटेड इंदौर की कंपनी को लेकर शिकायत की गई है। इस कंपनी पर जिला अस्पताल में भोजन के साथ सफाई व सिक्युरिटी का भी ठेका है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जीएस चौहान से संपर्क किया गया, लेकिन उनका मोबाईल नॉट रिस्पोडिंग आता रहा।

जिले में बंद पड़ी सहकारी सोसायटियों के पंजीयन होंगे निरस्त

कार्यवाही के संबंध में आपत्ति उपायुक्त सहकारिता मंदसौर को करे प्रस्तुत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहकारिता उप आयुक्त परमानंद गोडरिया द्वारा बताया गया कि आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाऐ म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार उपायुक्त सहकारिता मंदसौर द्वारा जिले में पहली बार बड़े स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। कई वर्षों से जो सोसायटियां बन्द होकर परिसमापन में थी, उन सभी सोसायटियों के पंजीयन निरस्त कर सहकारिता पटल से उनका अस्तित्व समाप्त किया जा रहा है।

जिन सोसायटियों में यह कार्यवाही होने जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित पीर गुराडिया, लखमाखेडी, फतेहपुर, टिडवास, आंत्रीखुर्द, कांचरिया चन्द्रावत, बोतलगंज, हरमाला, कचनारा (मल्हारगढ), नारायणगढ-2, मुवाला, भोलिया-2, श्री कृष्ण महिला रिछा, बेलारा, उदपुरा, भालोट-2, लामगरा-2, चिपलाना ढलमु मगरा, अर्निया गौड, कवला, गांगसी, ओसरना, चचावदा साठिया, कुण्डला खुर्द, आंवरा, बोरखेडी घाटा, निपानिया, धामनिया झाली, गोपालपुरा, चम्बल चौराहा (भानपुरा), पिपलिया जति, गरोठ, लसुडिया, श्रीनगर, असावती, बगचाच, छायन, पिपलखुटा, ढाबा, मगराना, खोडाना, डोराना, कांचरिया कदमाला रूपारेल, सिंदपन सौंधिया, पाडलिया लालमुंहा, सार्थक साख मंदसौर, ग्रामीण विकास साख संस्था बरखेडा देव डुंगरी, कंचन साख मंदसौर, प्रबल नीधि साख मंदसौर, सांवलिया बीज धमनार-2, जय बालाजी बीज राणाखेडा, सांवलिया बीज नारायणगढ, कृषक कल्याण बीज बर्डिया इस्तमुरार, शिवकृपा बीज मकडावन, स्टील फर्नीचर उद्योग दलौदा, आदि सभी संस्थाओ के पंजीयन निरस्त किये जाने है। सहकारिता के उपायुक्त द्वारा इन संस्थाओं से संबंधित कर्ता-धर्ता और सदस्यों को सूचित किया जा रहा है कि किसी को इस कार्यवाही के संबंध में कोई आपत्ति हो या अपना पक्ष समर्थन रखना हो तो वह एक सप्ताह के भीतर उपायुक्त सहकारिता जिला मंदसौर मित्र वत्सला रामटेकरी में उपस्थित होकर कार्यालयीन समय मे अपना पक्ष रख सकते है। सभी संस्थाओं को समाप्त करने के लिये इसी माह मई 2026 की समय सीमा तय की गई है। पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही युद्ध स्तर पर की जा रही है।

संविदा नीति के तहत पूर्ण नौकरी सुरक्षा और नियमित वेतनवृद्धि की मांग

मजदूर कल्याण समिति ने मुख्यमंत्री और आला अधिकारियों को लिखा पत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे संविदा कर्मचारियों के हित में मजदूर कल्याण समिति, मध्य प्रदेश ने एक बड़ा कदम उठाया है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष करणसिंह परिहार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिवों और आयुक्तों को एक विस्तृत मांग पत्र भेजकर संविदा कर्मियों को संविदा नीति के तहत पूर्ण नौकरी सुरक्षा और समानता का अधिकार देने की पुरजोर वकालत की है। समिति ने स्पष्ट किया है कि सरकार की जनहितैषी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में संविदा कर्मचारियों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसलिए उनके भविष्य, सम्मान और आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का मानवीय और न्यायसंगत दायित्व है।

मांग पत्र में उठाए गए मुद्दों के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से आग्रह किया है कि सभी विभागों में संविदा नीति के लाभों को पूरी तरह और प्रभावी ढंग से समान रूप से लागू किया जाए। इस नीति के अंतर्गत संविदा कर्मियों को पूर्ण नौकरी सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए और वित्तीय अनियमितता या गंभीर कदाचार जैसे अत्यंत असाधारण मामलों को छोड़कर किसी भी कर्मचारी को सेवा से पृथक नहीं किया जाना चाहिए। समिति ने बिना किसी सक्षम प्रक्रिया या उचित कारण के सेवा समाप्ति की कार्यवाही पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की वकालत की है। इसके साथ ही, कई वर्षों से लगातार काम कर रहे संविदा कर्मियों को सेवा स्थायित्व प्रदान करने के लिए एक स्पष्ट, पारदर्शी और प्रभावी नीति बनाने की मांग की गई है ताकि उन्हें भविष्य में किसी अनिश्चितता का सामना न करना पड़े। करणसिंह परिहार ने कर्मचारियों के आर्थिक हितों को रेखांकित करते हुए पत्र में कहा है कि सभी संविदा कर्मियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और कार्य की प्रकृति के अनुसार समकक्ष पदों पर नियुक्त या समायोजित किया जाना चाहिए। संविदा कर्मियों के लिए नियमित रूप से वार्षिक वेतनवृद्धि और महंगाई भत्ता प्रदान करने के साथ-साथ संविदा नीति के तहत निर्धारित समस्त सुविधाएं जैसे सेवा निरंतरता अवकाश, सामाजिक सुरक्षा और अनुभव का लाभ हर विभाग में बिना किसी भेदभाव के मिलना चाहिए। यदि कोई सरकारी योजना परिवर्तित या समाप्त होती है, तो वहाँ कार्यरत अनुभवी संविदा कर्मियों को सेवा से हटाने के बजाय अन्य समकक्ष पदों पर समायोजित किया जाना आवश्यक है ताकि राज्य के प्रशिक्षित मानव संसाधन और सरकारी संसाधनों का सही सदुपयोग हो सके। समिति ने पत्र में मांग की गई है कि हर महीने तय समय-सीमा के भीतर वेतन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए ताकि कर्मचारियों और उनके परिवारों को किसी भी तरह के आर्थिक संकट या कठिनाई से न जूझना पड़े। साथ ही कहा कि यदि किसी परिस्थिति में किसी कर्मचारी के विरुद्ध सेवा समाप्ति का निर्णय लिया जाना हो, तो उससे पहले पूरी तरह पारदर्शी लिखित प्रक्रिया अपनाई जाए और संबंधित कर्मचारी को अपनी बात रखने तथा सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाए। समिति ने मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में संविदा कर्मियों के सम्मेलन में दिए गए सकारात्मक आश्वासनों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि शासन इस दिशा में शीघ्र ही संवेदनशीलता के साथ सकारात्मक कार्यवाही करेगा।

महूपुरापूरन के युवक की जावद के पास सड़क हादसे में मौत

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महुपुरा पूरन निवासी एक युवक की जावद के समीप सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। युवक कोर्ट में पेशी के सिलसिले में जावद गया था और वापस गांव लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। घटना के बाद परिजनों में शोक का माहौल व्याप्त है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक का नाम ओमराज पिता काशीराम बलई (32) निवासी ग्राम महुपुरा पूरन बताया गया है। परिजनों के मुताबिक ओमराज सोमवार को मोटरसाइकिल से जावद कोर्ट में पेशी के लिए गया था। पेशी पूरी होने के बाद वह शाम करीब 4 बजे अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान जावद के समीप उसकी मोटरसाइकिल अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा कैसे हुआ, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है।दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायल ओमराज को जावद अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर उसे जिला चिकित्सालय नीमच रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान ओमराज ने दम तोड़ दिया।मंगलवार सुबह जिला चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सोपा गया।पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्राम दलपतपुरा में रात्रि चौपाल लगाई

ग्रामीणों के साथ जाजम पर बैठकर सुनीं समस्याएं, मौके पर दिए निराकरण के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने रविवार को जिलाधिकारियों के साथ तहसील जीरन के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्राम दलपतपुरा में रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों के साथ एक ही जाजम पर बैठकर एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं एवं संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल के प्रमुख निर्णय एवं निर्देश- स्वरोजगार- भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के तहत 11 हितग्राहियों के प्रकरण तैयार किए गए।

पेयजल- जल निगम को क्षेत्र के सभी गांवों में 3 दिन में गुणवत्ता पूर्ण रोड रेस्टोरेशन एवं वंचित बसाहटों में

हर घर नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश। महाप्रबंधक जल निगम ने बताया कि दो माह में सभी गांवों में नल से जलापूर्ति प्रारंभ हो जाएगी। स्थानीय युवक प्रेमलाल को पंप ऑपरेटर का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

विद्युत- ग्राम दलपतपुरा की विद्युत लाइन जीरन से जोड़ने हेतु एक सप्ताह में सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश। लो वोल्टेज समाधान हेतु 3 दिन में अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन।

सड़क- लोक निर्माण विभाग को जीरन-चीता खेड़ा सड़क की तत्काल मरम्मत एवं एक सप्ताह में गड्ढे ठीक करने के निर्देश। ग्राम हरवार में पीएमजीएसवाई की क्षतिग्रस्त सड़क संधारण अवधि में होने से ठेकेदार से तत्काल ठीक कराने के निर्देश

ग्रीष्मकालीन पेयजल- पीएचई को मंगलवार को दलपतपुरा पहुंचकरनवीन नलकूप खनन व हैंडपंपों में सिंगल फेस पंप स्थापित कर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश।

अन्य विकास कार्य- स्टाप डेम मरम्मत, शाला बाउंड्री वॉल, दलपतपुरा-अघोरिया मार्ग पर पुलिया, नायनखेड़ी में शमशान शेड, खेल मैदान निर्माण के प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश पंचायत सचिव को दिए।

वन क्षेत्र आबादी- वन एवं राजस्व विभाग को संयुक्त सर्वे कर एसडीएम के माध्यम से प्रस्ताव तैयार कर वन क्षेत्र में व्यवस्थापन की कार्रवाई करने के निर्देश।

पोषण- महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सेम एवं मैम श्रेणी के 5 बच्चों को सुपोषण किट प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री मजरा-टोला योजना के तहत पुरानी आबादी दलपतपुरा में सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हो गया है, शीघ्र निर्माण प्रारंभ होगा।

कलेक्टर ने गांव की महिला आशा बेवा दौलत राम की समग्र आईडी बनाने,, उसे नियमानुसार पेंशन का लाभ दिलाने, खाद्यान्न पात्रता पर्ची प्रदान करने एवं शासन की अन्य योजना का पात्रता अनुसार लाभ दिलाने के निर्देश भी पंचायत सचिव को दिए ?। पैर से दिव्यांग युवक पवन की मांग पर कलेक्टर ने पवन को स्वरोजगार के लिए भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के तहत ऋण सहायता उपलब्ध कराने , तथा आवश्यकता पड़ने पर रेड क्रॉस से भी आर्थिक मदद करने का विश्वास दिलाया।

कलेक्टर ने रात्रि चौपाल के पश्चात अधिकारियों के साथ ग्राम में ही रात्रि भोजन ग्रहण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, वन मंडलाधिकारी श्री एस.के. अटोदे, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, एसडीएम श्री संजीव साहू सहित समस्त जिला अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण जन एवं महिलाएंउपस्थित थे।

संवेदना से समाधान तक : जनसुनवाई में कलेक्टर श्री चंद्रा से मिली राहत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई कर 120 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित जिला अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई के प्रमुख प्रकरण एवं त्वरित निर्देश- स्वास्थ्य सहायता- कलेक्टर ने बघाना निवासी अजय ग्वाला के पुत्र की गंभीर बीमारी के उपचार हेतु रेडक्रास से आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। निलिया निवासी शैतान भील के पति के उपचार हेतु रेडक्रास से आर्थिक सहायता एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निःशुल्क उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सिंगोली की जरूरतमंद साजन की झोपड़ी जल जाने पर रेडक्रास से 12 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

भूमि विवाद का निराकरण- वसंतपुरा, रामपुरा की दिव्यांग रोड़ीबाई की मालिकाना हक की जमीन पर परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा विक्रय एवं क्रेता द्वारा जबरन कब्जा करने संबंधी आवेदन पर एसडीएम व तहसीलदार को त्वरित कार्यवाही कर रोड़ीबाई को उसके हिस्से की जमीन का मौके पर कब्जा दिलाने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में मनासा के लखनसिंह, भादवामाता के पप्पूलाल, जमुनिया कलां के ललित कुमार, चम्पी के भोलीराम कुमावत, रगसपुरिया के दिनेश कुमार, निपानिया आबाद की शबूबाई, नयागांव के सत्तु धाकड़, राजु धाकड़, सारेल्या की मायाकुंवर आदी।

जनसुनवाई में गूंजे फरियादियों के दर्द, एसपी राजेश व्यास ने मौके पर किया त्वरित निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच स्थित सभाकक्ष में मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन के निर्देशानुसार आयोजित किया गया।

शिविर में पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने जनसुनवाई करते हुए सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए।

इस दौरान सीएम हेल्पलाइन की लेवल-1, लेवल-2 एवं लेवल-3 की कुल 15 शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर उन्हें बंद कराया गया। वहीं जनसुनवाई में पहुंचे लगभग 55 फरियादियों ने अपनी समस्याएं एसपी के समक्ष प्रस्तुत कीं, जिनके समाधान हेतु संबंधित थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

शिविर में भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई से जुड़े मामले, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित विभिन्न प्रकार की शिकायतें सामने आईं, जिन पर निष्पक्ष एवं शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

एसपी राजेश व्यास ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा फरियादियों के साथ शालीनता एवं संवेदनशील व्यवहार रखा जाए। साथ ही गर्मी को देखते हुए सभी थाना/चौकियों पर शीतल जल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

शिविर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया, नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान, एसडीओपी जावद रोहित राठौर, एसडीओपी मनासा निकीता सिंह सहित जिले के समस्त थाना व चौकी प्रभारी एवं संबंधित शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

मनासा में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय आयुर्वेद औषधालय मनासा द्वारा मंगलवार को पुराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनासा में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ.मदनलाल पाटीदार ने आमवात, संधिवात, उदर रोग, विबंध, श्वास, कास, प्रतिश्याय, रक्त अल्पता, उच्च रक्तचाप, स्त्रीरोग, मधुमेह आदि बीमारियों की जांच कर निःशुल्क औषधियां वितरित की।

नीमच जिले में पति-पत्नी के रिश्ते का खौफनाक अंत ! आधी रात पत्नी पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार करने के बाद जंगल में जाकर फांसी पर झूला पति, एक ही रात में उजड़ गया पूरा परिवार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मनासा थाना क्षेत्र की कंजार्डा चौकी अंतर्गत आने वाले बख्तुनी गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है जहां एक पति ने अपनी ही पत्नी पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और बाद में खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जानकारी के मुताबिकज सोमवार सुबह करीब 5 बजे जयलाल भील नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी संतोषी बाई भील पर उस समय हमला कियाज जब वह घर में सो रही थी। बताया जा रहा है कि आरोपी पति ने कुल्हाड़ी से कई वार किएज जिससे महिला गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गई।

वारदात को अंजाम देने के बाद जयलाल मौके से फरार हो गयाज और रस्सी लेकर जंगल की ओर चला गयाज जहां बाद में उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

इस खौफनाक घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई- सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इतनी बड़ी वारदात के बावजूद करीब 24 घंटे तक इस मामले की जानकारी बाहर नहीं आ सकी।

हालांकि सूचना मिलते ही कंजार्डा पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और जांच शुरू कर दी थी। कंजार्डा चौकी प्रभारी श्याम कुमावत ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी।

फिलहाल मर्ग कायम कर पूरे मामले की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला पति-पत्नी के आपसी विवाद से जुड़ा हुआ माना जा रहा है।

लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर ऐसा क्या हुआ जिसने एक पति को अपनी ही पत्नी का खून बहाने और फिर खुद अपनी जिंदगी खत्म करने पर मजबूर कर दिया?

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन

छत्रपति शिवाजी भवन आगर रोड उज्जैन

-: (online) निविदा आमंत्रण सूचना :-

विज्ञप्ति क्रं/800 /Workshop/E-tender/2026 — उज्जैन दिनांक :- 18/05/2026

निम्नांकित कार्य के लिए (Online) - निविदा क्रमांक 2026_UAD_491698_2 आमंत्रित की जाती हैं, तथा टेन्डर फार्म राशि 5,000/- रहेगा।

निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 01.06.2026 समय 18:00 ऑनलाईन एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 27.02.2026 समय 18:00 रहेगी।

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं। यदी उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जावेगी।

क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लगत	अर्नेस्टमनी रू.	टेंडर फार्म का मूल्य	समयावधि
1	2	3	4	5	6
1	Supply & Commissioning of 02 Nos. Hearse Vehicle	23,80,000/-	17,850/-	5000/-	60 दिवस

कार्यपालन यंत्री, वर्कशॉप
नगर पालिक निगम उज्जैन
उज्जैन दिनांक :- 18/05/26

सम्पादकीय

3-डी अभियानः बदलाव जो दिखता भी है और बदलता भी है

जब उत्सव की धुनें खुशियों की जगह चिंता जगाने लगें और परंपरा अपने मूल अर्थ से दूर हो जाए, तब समाज को खुद को देखने की जरूरत होती है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों की पहचान सादगी रही है, लेकिन शादियों में डीजे का शोर, शराब और 'दापा' (दहेज़) जैसी प्रथाओं का दबाव इस गरिमा को प्रभावित कर रहा है। विवाह, जो कभी संस्कार और अपनापन का प्रतीक था, अब कई जगह आर्थिक बोझ बनता जा रहा है। ऐसे समय में जो पहल समाज को सादगी और संस्कार की ओर लौटाए, वह सुधार नहीं, सामाजिक चेतना का पुनर्जागरण बन जाता है। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले का दहेज, दारू और डीजे मुक्त '3-डी अभियान' आज इसी बदलाव की सशक्त मिसाल है।

जब कोई अधिकारी कानून से आगे बढ़कर समाज की सोच बदलने का संकल्प लेता है, तभी बदलाव इतिहास बनता है। बड़वानी के पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने '3-डी अभियान' को जनआंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने वर्दी को भय नहीं, विश्वास और संवाद का माध्यम बनाया। झाबुआ से शुरू हुए इस अभियान को उन्होंने बड़वानी में सामाजिक चेतना का आधार बना दिया। वे स्वयं सादगीपूर्ण विवाहों में शामिल होकर परिवारों को सम्मानित भी करते हैं, जिससे लोगों को प्रेरणा मिलती है। गांव-गांव जाकर वे समझाते हैं कि विवाह दिखावे नहीं, संस्कार और सम्मान का उत्सव है। यही कारण है कि '3-डी अभियान' आज समाज में जागरूकता और स्वाभिमान की पहचान बन चुका है।

'3डी अभियान' केवल तीन बुराइयों के विरोध की पहल नहीं, बल्कि उस विकृत सोच के खिलाफ सामाजिक जागरण है जिसने विवाह को संस्कार से अधिक बोझ बना दिया था। गरीब परिवार वर्षों तक कर्ज में डूबते रहे, जमीन गिरवी रखते रहे और कमाई दिखावे में खर्च होती रही। कई घर शादी के बाद भी कर्ज से नहीं निकल पाए। शराब ने खुशियों को विवाद और हिंसा में बदला, जबकि डीजे के शोर ने लोकसंस्कृति को दबा दिया। अब बड़वानी के कई गांवों में विवाह बिना दहेज के हो रहे हैं, बिना शराब के उत्सव सज रहे हैं और ढोल-मांदल की पारंपरिक थाप फिर से सुनाई देने लगी है।

सच्चा बदलाव केवल आदतें नहीं बदलता, वह संस्कृति को भी नया जीवन देता है। '3-डी अभियान' की ताकत यही है। आदिवासी समाज की पहचान लोकधुनों, सामूहिक उत्सवों और सादगी में रही है, लेकिन दिखावे की चकाचौंध ने इन्हें हाशिये पर धकेल दिया था। विवाहों में लोकगीतों की जगह शोर और स्थानीय कलाकारों की जगह डीजे ने ले ली थी। '3-डी अभियान' ने इस असंतुलन को चुनौती दी है। अब गांवों में ढोल-मांदल की थाप गूंज रही है, लोकधुनें लौट रही हैं और स्थानीय कलाकारों को सम्मान मिल रहा है। यह पहल केवल कुरीतियों के खिलाफ अभियान नहीं, बल्कि आदिवासी सांस्कृतिक अस्मिता के पुनर्जागरण का सशक्त प्रयास बन चुकी है। समाज जब स्वयं बदलाव का प्रहरी बन जाए, तभी क्रांति जन्म लेती है। '3-डी अभियान' की सबसे बड़ी शक्ति यही जनभागीदारी है। '3-डी अभियान' अब केवल सोच नहीं बदल रहा, बल्कि समाज का व्यवहार भी बदल रहा है। जिन विवाहों में कभी शराब, विवाद और तनाव हावी रहते थे, वहां अब सादगी, अनुशासन और आत्मीयता दिखाई देने लगी है। परिवार कर्ज के बोझ से राहत महसूस कर रहे हैं और नई दुल्हनें आर्थिक दबाव नहीं, सम्मान के साथ नए जीवन में कदम रख रही हैं। लोग समझने लगे हैं कि दिखावे की चमक क्षणिक होती है, लेकिन उसके लिए लिया गया कर्ज वर्षों तक परिवारों को भीतर से तोड़ता रहता है। ऐसे में सादगीपूर्ण विवाह अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन, सम्मान और जागरूकता की नई पहचान बनते जा रहे हैं।

बड़वानी में '3-डी अभियान' ने पुलिस और समाज के रिश्तों की तस्वीर बदल दी है। यहां वर्दी केवल कानून की ताकत नहीं, सामाजिक विश्वास का प्रतीक बनी है। जिस पुलिस को अक्सर डर और दूरी से जोड़ा जाता था, वही अब गांवों की चौपालों में बैठकर कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण कर रही है। संवाद और संवेदना को आधार बनाकर पद्मविलोचन शुक्ल ने पुलिस को समाज सुधार की शक्ति में बदल दिया है। उन्होंने साबित किया कि प्रशासन की सबसे बड़ी सफलता केवल अपराध नियंत्रण नहीं, बल्कि लोगों में भरोसा, सम्मान और जागरूकता जगाना है। बड़वानी का यह मॉडल आज कम्युनिटी पुलिसिंग की प्रेरक मिसाल बन चुका है।

समाज तब मजबूत बनता है, जब उसकी परंपराएं बोझ नहीं, सम्मान का आधार बनें। बड़वानी का '3-डी अभियान' इसी बदलाव की प्रभावी शुरुआत है। यदि यह मॉडल देशभर में अपनाया जाए, तो यह केवल शादियों का स्वरूप नहीं, सामाजिक सोच भी बदल सकता है। आज भी दहेज, शराब और दिखावे की परंपरा गरीब परिवारों को कर्ज और तनाव में धकेल रही है। बेटियों के विवाह कई घरों के लिए आर्थिक संघर्ष बन जाते हैं, जबकि नशा और शोर सामाजिक वातावरण को खोखला करते हैं। ऐसे में '3-डी अभियान' केवल कुरीतियों के खिलाफ मुहिम नहीं, बल्कि सादगी, सम्मान और सामाजिक संतुलन का संदेश है। यह समाज को बताता है कि विवाह बोझ नहीं, संस्कार होना चाहिए।

गहरी जमी परंपराओं से टकराता हर बदलाव आसान नहीं होता, लेकिन वही समाज को नई दिशा देता है। आज भी समाज का एक हिस्सा दिखावे को प्रतिष्ठा और दहेज को परंपरा मानकर उसी में उलझा हुआ है। लेकिन बड़वानी ने दिखा दिया है कि संवाद, संवेदनशील नेतृत्व और जनभागीदारी से गहरी जमी सोच भी बदली जा सकती है। '3-डी अभियान' यह स्पष्ट करता है कि बदलाव बड़े साधनों से नहीं, दृढ़ संकल्प से जन्म लेता है। बड़वानी जिले के वर्तमान एसपी पद्मविलोचन शुक्ल और उनकी टीम का यह प्रयास अब एक दिशा बन चुका है। जिस दिन विवाह सादगी और सम्मान का उत्सव बनेंगे, उसी दिन समाज वास्तविक प्रगति की ओर बढ़ेगा।

सहजयोग के माध्यम से ईश्वर की अनुभूतिः बाहरी पूजा से आंतरिक जागरण तक

सहज का अर्थ है सह (साथ) + ज (जन्मा) यानी वह जो आपके साथ जन्मा है, और योग का अर्थ है जुड़ना। यह प्रक्रिया सहज, सुलभ और स्वस्फूर्त है। सहज योग ईश्वरीय अनुभूति पाने का एक बहुत ही सरल और सुगम मार्ग है।

हम अक्सर ईश्वर को मंदिरों, मूर्तियों या बाहरी अनुष्ठानों में खोजते हैं। क्योंकि, बाहरी पूजा-अर्चना मन को शांत करने और ईश्वर के प्रति समर्पण का पहला चरण है। इस, चरण में हम भक्ति मार्ग पर चलते हुये, ईश्वर की आराधना भजन,कीर्तन, उपवास व पूजापाठ से करते हैं जिससे हमें आत्मसंतुष्टि मिलती है। पर, तब भी यदि कहीं न कहीं पूर्ण संतुष्टि का अभाव महसूस होता है, तो हमें समझ लेना चाहिए कि हमारे अंदर ईश्वरीय अनुभूति की प्यास जागृत हो रही है। क्योंकि अंतिम लक्ष्य स्वयं को जानना (आत्म-ज्ञान) ही है। यह आत्मबोध व स्व को समझने या पाने की आकांक्षा है। इस आकांक्षा को सहज योग की भाषा मे शुद्ध इच्छा कहते हैं और सहज योग ज्ञान के लिए शुद्ध इच्छा होनी चाहिए।

सहजयोग के माध्यम से जब साधक आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करता है तब कुंडलिनी माता शक्ति जागृत होकर सुषुम्ना नाड़ी से होती हुई ऊपर उठती है और मस्तिष्क के शीर्ष पर स्थित सहस्त्रार चक्र तक पहुँचती है।

जब कुंडलिनी की ऊर्जा सहस्त्रार को पार करती है, तो व्यक्ति का मन वर्तमान में स्थिर हो जाता है और एक ऐसी अवस्था आती है जहाँ मस्तिष्क में कोई विचार नहीं होता। यही ध्यान की सच्ची अवस्था है। जागृति के बाद, व्यक्ति अपने हाथों और शरीर के ऊपर बहती हुई ठंडी या गर्म लहरों (कम्पनों/वाइब्रेशन) के रूप में दिव्य सर्वव्यापी शक्ति (परम चैतन्य) को स्वयं महसूस करने लगता है।

आतंरिक जागरण का यह मार्ग सरल है, ईश्वरीय अनुभूति के लिए सर्वोत्तम है क्योंकि इसके लिए ना आध्यात्मिक मंत्रों का ज्ञान चाहिए ना ही इसका कोई शुल्क है।

दवा के नाम पर मौत, इलाज के नाम पर भय कब तक?

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना, अर्थव्यवस्था, तकनीकी उपलब्धियों या ऊंची इमारतों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह अपने नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति कितना संवेदनशील है। स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी देश की आत्मा होती है। अस्पताल केवल भवन नहीं होते, वे जीवन की उम्मीद के केंद्र होते हैं। डॉक्टर केवल पेशेवर व्यक्ति नहीं होता, वह मौत और जीवन के बीच खड़ा वह संवेदनशील रक्षक होता है, जिस पर मनुष्य सबसे अधिक विश्वास करता है। लेकिन जब यही स्वास्थ्य व्यवस्था भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े, मुनाफाखोरी और अनैतिकता की गिरफ्त में आ जाए, तब समाज का विश्वास टूटने लगता है और चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा दिखाई देने लगता है। आज भारत में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी जो घटनाएं सामने आ रही हैं, विशेषकर मध्यप्रदेश और राजस्थान की घटनाओं ने इसी भयावह यथार्थ को उजागर किया है।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जा रही हैं। आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति, आधारभूत ढांचे का विस्तार, तकनीकी उन्नयन और वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा आशा जगाती है। लेकिन इसी बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती धांधलियां, फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियां, नकली दवाओं का कारोबार, अस्पतालों में मुनाफाखोरी और चिकित्सा सेवाओं का व्यवसायीकरण इस विकास यात्रा पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। यदि नागरिकों का जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास के सारे दावे खोखले प्रतीत होंगे। मध्यप्रदेश के दमोह और जबलपुर के सरकारी अस्पतालों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियों का खुलासा किसी एक राज्य की प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरी का प्रतीक है। इससे भी अधिक चिंताजनक मामला राजस्थान मेडिकल काउंसिल में सामने आया, जहां ऐसे लोगों को डॉक्टर के रूप में पंजीकृत कर दिया गया जिन्होंने न मेडिकल शिक्षा प्राप्त की और न ही आवश्यक इंटर्नशिप की। यह केवल कागजी अनियमितता नहीं, बल्कि लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने वाला गंभीर अपराध है। एक अयोग्य व्यक्ति जब डॉक्टर बनकर मरीजों के सामने बैठता है, तब वह इलाज नहीं करता, बल्कि मानव जीवन पर प्रयोग करता है, उसके कारण जिंदगी मौत में बदल जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसे लोग व्यवस्था में प्रवेश कैसे कर जाते हैं? क्या कोई व्यक्ति अकेले इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कर सकता है? निश्चित रूप से नहीं। इसके पीछे सत्यापन तंत्र की विफलता, विभागीय मिलीभगत और संस्थागत भ्रष्टाचार की परतें मौजूद होती हैं। जब मेडिकल काउंसिल, अस्पताल प्रशासन और परीक्षा एवं पंजीयन संस्थाओं की भूमिका संदेह के घेरे में आ जाए, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि बीमारी केवल व्यक्ति में नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में फैल चुकी है। आज चिकित्सा क्षेत्र का संकट केवल फर्जी डॉक्टरों तक सीमित नहीं है। निजी अस्पतालों में मुनाफाखोरी ने स्वास्थ्य सेवा के मानवीय स्वरूप को गंभीर क्षति पहुंचाई है। मरीज की विवशता को आर्थिक अवसर में बदल देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक जांचें कराना, जरूरत न होने पर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना, वेंटिलेटर पर रखना, अत्यधिक बिल बनाना और उपचार को लंबा खींचना आम शिकायतें बन चुकी हैं। मरीज अस्पताल में इलाज के लिए जाता है, लेकिन कई बार आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार होकर लौटता है। चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य पीड़ा दूर करना था, लेकिन कई स्थानों पर वह व्यापार और लाभ कमाने का माध्यम बन गई है।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। गरीब और जरूरतमंद नागरिकों के लिए बने इन संस्थानों में संसाधनों की कमी, कर्मचारियों की लापरवाही, भ्रष्टाचार और बिचौलियों की दखलअंदाजी ने व्यवस्था को कमजोर किया है। कई बार मुफ्त दवाएं मरीजों तक नहीं पहुंचतीं, मशीनें अनुपयोगी पड़ी रहती हैं, जांचों में देरी होती है और मरीज अस्पतालों के चक्कर लगाते-लगाते टूट जाता है। गरीब व्यक्ति के लिए बीमारी केवल शारीरिक पीड़ा नहीं रहती, बल्कि आर्थिक और मानसिक संकट भी बन जाती है। आज एक और गंभीर संकट सामने आया है-डॉक्टर बनने की अंधी दौड़ और शॉर्टकट संस्कृति। नीट जैसी परीक्षाओं में धांधलियों ने पहले ही देश को झकझोर दिया है। यदि प्रवेश प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाए और उसके बाद फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर व्यवस्था में प्रवेश करने लगें, तो यह पूरे चिकित्सा तंत्र की विश्वसनीयता को समाप्त कर देगा। डॉक्टर बनने के पीछे वर्षों की कठिन पढ़ाई, प्रशिक्षण, अनुशासन और संवेदनशीलता की साधना होती है। लेकिन यदि इस प्रक्रिया को धन, भ्रष्टाचार और जालसाजी से बदल दिया जाएगा तो परिणाम केवल भयावह ही होंगे। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का संकट भी है। जब नागरिक डॉक्टर की योग्यता पर संदेह करने लगें, अस्पतालों में भय के साथ प्रवेश करें और दवा खरीदते समय उसकी प्रामाणिकता को लेकर आशंकित रहें, तब यह किसी भी राष्ट्र के लिए खतरनाक संकेत है। स्वास्थ्य व्यवस्था में विश्वास टूटना समाज की आत्मा पर चोट पहुंचाने जैसा है।

दुनिया के विकसित देशों में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अपराधों को अत्यंत गंभीर माना जाता है। वहां फर्जी चिकित्सकों को केवल नौकरी से नहीं हटाया जाता, बल्कि आजीवन प्रतिबंध, भारी आर्थिक दंड और आपराधिक मुकदमों का सामना करना पड़ता है। कई देशों में डॉक्टरों के पंजीकरण और प्रमाणपत्रों का नियमित सत्यापन होता है तथा डिजिटल निगरानी व्यवस्था इतनी मजबूत होती है कि फर्जीवाड़े की संभावना बहुत कम रह जाती है। इसके विपरीत भारत में कई बार जांच प्रक्रिया लंबी, जटिल और धीमी होती है। वर्षों तक जांच चलती रहती है और दोषी बच निकलते हैं। यह व्यवस्था अपराधियों में भय नहीं, बल्कि निर्भीकता पैदा करती है। अब समय केवल चिंता व्यक्त करने या औपचारिक आश्वासनों का नहीं, बल्कि निर्णायक और कठोर कदम उठाने का है। देश के प्रत्येक पंजीकृत डॉक्टर का लाइव डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए, जहां कोई भी नागरिक एक क्लिक पर डॉक्टर की योग्यता, पंजीकरण संख्या, मेडिकल कॉलेज और सेवा विवरण की पुष्टि कर सके। मेडिकल काउंसिलों को केवल कागजी संस्थाएं नहीं, बल्कि सक्रिय निगरानी तंत्र बनाना होगा। अस्पतालों का नियमित निरीक्षण हो, डॉक्टरों के दस्तावेजों का रैंडम फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाए और फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर केवल फर्जी डॉक्टर ही नहीं, बल्कि उसके दस्तावेज पास करने वाले अधिकारी और सत्यापन करने वाले कर्मचारी भी सह-आरोपी बनाए जाएं। जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक व्यवस्था नहीं सुधरेगी।

इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षा में नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्स्थापित करना होगा। चिकित्सा केवल रोजगार नहीं, सेवा का क्षेत्र है। डॉक्टर का पहला धर्म लाभ कमाना नहीं, जीवन बचाना होना चाहिए। यदि चिकित्सा क्षेत्र से संवेदनाएं समाप्त हो जाएंगी तो मशीनें बचेंगी, मानवता नहीं। आज समाज एक गहरे भय और असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, जब जीवन बचाने वाले ही जीवन के लिए खतरा बन जाएं, जब अस्पतालों में भरोसे की जगह डर और संदेह बैठ जाए, तब नागरिक कहां जाए? यह प्रश्न केवल मध्यप्रदेश और राजस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के सामने खड़ा है। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि नैतिक पतन और सामाजिक विघटन का संकेत है।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं बनेगा। वह तभी बनेगा जब नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगे, जब अस्पताल आशा के केंद्र बनेंगे, जब दवा पर विश्वास होगा और जब डॉक्टर का नाम सुनते ही श्रद्धा और भरोसा जागेगा। सड़कें, उद्योग, तकनीक और पूंजी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मनुष्य का जीवन है। यदि जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास का कोई भी सपना अधूरा रह जाएगा। मेडिकल जैसे पवित्र पेशे में घुस चुके भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े और अनैतिकता के इस कैंसर का उपचार समय रहते करना होगा। यह केवल कानून का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते कठोर निर्णय नहीं लिए तो फर्जी चिकित्सकों, नकली दवाओं और मुनाफाखोरी का यह जाल समाज के विश्वास को पूरी तरह निगल जाएगा। विकसित भारत की यात्रा में स्वास्थ्य व्यवस्था की पारदर्शिता, शुचिता, जवाबदेही और मानवीयता सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि जहां जीवन सुरक्षित नहीं, वहां विकास का कोई भी स्वप्न स्थायी नहीं हो सकता।

-ललित गर्ग

विपक्ष के समक्ष खुद को बचाने का संकट

हाल में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में बंगाल में ममता बनर्जी, तमिलनाडु में एमके स्टालिन, असम में गौरव गोगोई जैसे बड़े नेताओं को मिली हार से विपक्षी खेमे में खलबली सी मच गई है। केरलम में गठबंधन सरकार में वापसी की वजह से कांग्रेस थोड़ी राहत भले महसूस कर रही हो, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रीय दलों को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा है। तमिलनाडु में सत्ता की चाहत में विपक्षी गठबंधन टूट भी चुका है। कांग्रेस ने डीएमके का बरसों पुराना साथ छोड़ नई पार्टी टीवीके का दामन थाम लिया है। दूसरी तरफ ममता बनर्जी को विपक्षी एकता खासकर आइएनडीआइए की याद आने लगी है। अब वह विपक्षी एकता को मजबूत करने की बातें करने लगी हैं। हाल तक वह आइएनडीआइए की एकता से बेपरवाह थीं। आइएनडीआइए को कमजोर करने में विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने भी कम गलतियां नहीं की हैं। राहुल गांधी का बंगाल में भाजपा की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल के ताबूत में कील ही साबित हुआ। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या विपक्षी एकता का विचार फिर से परवान चढ़ सकता है? अतीत में जिस तरह विपक्षी खेमे में एक-दूसरे को शह-मात देने का खेल चला, उसे देखते हुए क्या एकता की उम्मीद अभी बची है?

वर्ष 2024 के आम चुनावों के पहले विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने और भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की कोशिश तो हुई, लेकिन विपक्षी दलों में आपसी टकराव और वर्चस्व के चलते वह हकीकत नहीं बन पाया। 2023 में पटना में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में विपक्षी मोर्चा बनाने का फैसला तो हुआ, लेकिन नेतृत्व के मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाई। दरअसल कांग्रेस विपक्षी राजनीति की लगाम खुद के हाथ में ही रखना चाहती है। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल और एमके स्टालिन का साथ तो उसे चाहिए, लेकिन इनमें से किसी का भी नेतृत्व उसे गवारा नहीं। इन सबको हाशिए पर रखने के लिए बाद के दिनों में कांग्रेस ने जैसी चाल चली, उससे विपक्षी एकता का राग बेसुरा हो गया। वह पूरी तरह परवान चढ़ ही नहीं सकी। इसका परिणाम बीते लोकसभा चुनाव नतीजों में दिखा भी। फिर विपक्षी एका में कमी के चलते हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के चुनावों में भाजपा ने बाजी मार ली। रही-सही कसर हालिया पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों ने पूरी कर दी है।

जब भी सत्ता पक्ष के उफान में विपक्षी दल बहते हैं, उनमें एकता की छटपटाहट बढ़ जाती है।

-सुनील कुमार महला

अधिकमास का धार्मिक महत्व और धार्मिक आस्था

भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में समय की गणना केवल दिनों और महीनों का क्रम नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, ग्रह-नक्षत्रों और धार्मिक जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। हिन्दू पंचांग में समय-समय पर आने वाला ÷अधिकमास÷ इसी वैज्ञानिक और धार्मिक परंपरा का अद्भुत उदाहरण है। अधिकमास को ÷पुरुषोत्तम मास÷ भी कहा जाता है। यह लगभग हर तीसरे वर्ष आता है और इसका विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इस मास में भगवान विष्णु की आराधना, दान-पुण्य, व्रत, जप और तप का अत्यधिक फल प्राप्त होता है। भारतीय समाज में अधिकमास केवल एक अतिरिक्त महीना नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, भक्ति और आध्यात्मिक उन्नति का पावन अवसर माना जाता है।

अधिकमास क्या है- हिन्दू पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित होता है, जबकि सौर वर्ष सूर्य की गति के अनुसार चलता है। चंद्र वर्ष लगभग 354 दिनों का होता है और सौर वर्ष लगभग 365 दिनों का। दोनों के बीच लगभग 11 दिनों का अंतर रह जाता है। यही अंतर तीन वर्षों में लगभग एक महीने के बराबर हो जाता है। इस अंतर को संतुलित करने के लिए हिन्दू पंचांग में एक अतिरिक्त मास जोड़ा जाता है, जिसे ÷अधिकमास÷ कहा जाता है।

यह मास किसी निश्चित नाम से नहीं आता, बल्कि जिस महीने में यह पड़ता है, उसी के नाम के साथ ÷अधिक÷ जुड़ जाता है, जैसे अधिक श्रावण, अधिक आषाढ़ आदि। धार्मिक दृष्टि से यह समय अत्यंत शुभ और पुण्यदायक माना जाता है।

अधिकमास का धार्मिक महत्व- अधिकमास का सबसे बड़ा धार्मिक महत्व यह है कि इसे भगवान विष्णु का प्रिय मास माना गया है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार जब इस अतिरिक्त मास को कोई महत्व नहीं देता था, तब यह दुखी होकर भगवान विष्णु के पास गया। भगवान विष्णु ने इसे अपना नाम पुरुषोत्तम मास प्रदान किया और कहा कि इस मास में किए गए सभी शुभ कर्मों का फल कई गुना अधिक मिलेगा। तभी से यह मास अत्यंत पवित्र माना जाने लगा।

इस मास में व्यक्ति सांसारिक मोह-माया से हटकर ईश्वर भक्ति की ओर अग्रसर होता है। धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि अधिकमास में की गई पूजा, उपवास, कथा-श्रवण और दान से मनुष्य के पाप नष्ट होते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पूजा-पाठ और साधना का विशेष समय- अधिकमास को भक्ति और साधना का महीना कहा जाता है। इस दौरान लोग नियमित रूप से भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण और राम की पूजा करते हैं। मंदिरों में भजन-कीर्तन, कथा और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। कई लोग पूरे महीने व्रत रखते हैं या सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं।

विशेष रूप से निम्न कार्य अधिकमास में अत्यंत पुण्यकारी माने जाते हैं- गीता और भागवत कथा का पाठ, विष्णु सहस्त्रनाम का जाप, तुलसी पूजा, गरीबों को भोजन और वस्त्र दान, गौसेवा और ब्राह्मण सेवा, तीर्थ स्नान और सत्संग, मान्यता है कि इस मास में किया गया एक छोटा-सा पुण्य भी अनेक गुना फल देता है।

धार्मिक आस्था और जनमानस- भारतीय समाज में अधिकमास के प्रति गहरी धार्मिक आस्था देखने को मिलती है। गाँवों से लेकर शहरों तक लोग इस महीने को विशेष श्रद्धा के साथ मनाते हैं। अनेक परिवारों में प्रतिदिन दीपदान, कथा और भजन का आयोजन होता है। महिलाएँ घर की सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना के लिए व्रत रखती हैं।

अधिकमास के दौरान लोग आत्मसंयम और सदाचार का पालन करने का प्रयास करते हैं। यह केवल पूजा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यक्ति के व्यवहार और जीवनशैली में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनता है। धार्मिक आस्था लोगों को नैतिकता, सेवा और करुणा की ओर प्रेरित करती है।

विवाह और मांगलिक कार्यों पर रोक

अधिकमास में सामान्यतः विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन और अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। इसका कारण यह है कि यह मास मुख्य रूप से ईश्वर आराधना और तपस्या के लिए समर्पित माना गया है। लोग इस समय को सांसारिक उत्सवों के बजाय आध्यात्मिक साधना में लगाना अधिक उचित समझते हैं।

हालाँकि धार्मिक दृष्टि से यह मास अशुभ नहीं है। बल्कि इसे अत्यंत पवित्र और पुण्यदायक माना गया है। इसलिए इस दौरान व्यक्ति अपनी आत्मा की शुद्धि और ईश्वर से जुड़ने का प्रयास करता है।

अधिकमास और दान-पुण्य- सनातन धर्म में दान का विशेष महत्व है और अधिकमास में इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस मास में अन्नदान, जलदान, वस्त्रदान और गौदान करने से व्यक्ति को अक्षय पुण्य प्राप्त होता है।

गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता करना इस महीने की सबसे बड़ी धार्मिक भावना मानी जाती है। इससे समाज में प्रेम, सहयोग और मानवता की भावना मजबूत होती है। यही कारण है कि अधिकमास केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न होकर सामाजिक सद्भाव का भी प्रतीक बन जाता है।

आध्यात्मिक दृष्टि से अधिकमास- अधिकमास व्यक्ति को आत्मचिंतन का अवसर प्रदान करता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य अक्सर मानसिक तनाव और अशांति का अनुभव करता है। ऐसे समय में यह मास ध्यान, साधना और भक्ति के माध्यम से मानसिक शांति प्रदान करता है।

यह महीना हमें सिखाता है कि जीवन केवल भौतिक सुखों तक सीमित नहीं है। ईश्वर के प्रति श्रद्धा, सेवा और आत्मअनुशासन भी जीवन के महत्वपूर्ण अंग हैं। अधिकमास के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर छिपी आध्यात्मिक शक्ति को पहचानने का प्रयास करता है।

निष्कर्ष- अधिकमास भारतीय धार्मिक परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र अध्याय है। यह मास केवल पंचांग की गणना को संतुलित करने का माध्यम नहीं, बल्कि धर्म, भक्ति और आत्मशुद्धि का विशेष अवसर है। भगवान विष्णु को समर्पित यह मास लोगों में श्रद्धा, सेवा, दान और सदाचार की भावना उत्पन्न करता है।

धार्मिक आस्था के कारण अधिकमास का महत्व सदियों से भारतीय समाज में बना हुआ है। यह हमें सिखाता है कि जीवन में आध्यात्मिकता, संयम और मानवता का कितना बड़ा स्थान है। वास्तव में अधिकमास केवल एक अतिरिक्त महीना नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति और ईश्वर से जुड़ने का दिव्य अवसर है।

-सुनीता कुमारी

भारतीय कंपनियों की सबसे कमजोर कड़ी साबित हो रहा है कॉरपोरेट शासन

जब भी भारत में कोई कंपनी तेजी से उभरती है तब लोगों की स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है कि पहले थोड़ी देर रुककर उसके प्रदर्शन को देखा जाए। ज्यादातर मामलों में, ये कंपनियां आर्थिक सुधारों के नए अवसरों का लाभ उठाकर अपना अ?स्तित्व बनाए रखती हैं और तरक्की करती हैं। लेकिन अक्सर भारत में उद्यमिता वाले उत्साह और जोश की गति इतनी तेज होती है कि? कॉरपोरेट शासन के ठोस नियम पीछे रह जाते हैं और इसके परिणामस्वरूप सुर्खियों में छा जाने वाले विवाद पैदा होते हैं।

इस रुझान को दो बातें परिभाषित करती हैं। पहली, यह रुझान इस सदी के दूसरे दशक में जोर पकड़ने लगा जो वास्तव में निजी उद्यमिता के लिए उत्साह के वर्ष थे। दूसरी, यह आंशिक रूप से सरकार और नियामकीय संस्थाओं की उपयुक्त कार्यप्रणाली में कमी या लेखा परीक्षकों और कॉरपोरेट बोर्ड की असफलता को दर्शाता है। यही रुझान हमने सत्यम कंप्यूटर्स, सहारा, रैनबैक्सी, किंगफिशर एयरलाइंस, नीरव मोदी, इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग ऐंड फाइनैंस (आईएलऐंडएफएस), बैजूस, येस बैंक और नैशनल स्टॉक एक्सचेंज जैसी कंपनियों के मामलों में भी देखा।

इस सूची में नया नाम है 9 साल पुरानी कंपनी, पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का जिसका लाइसेंस पिछले महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रद्द कर दिया है। पेटीएम ब्रांड, मोबाइल वॉलेट का निर्विवाद मानक है। सिर्फ एक दशक पहले, विजय शेखर शर्मा की प्रवर्तक कंपनी वन97 कम्युनिकेशन की छत्रछाया में पेटीएम ने देश भर का ध्यान आकर्षित किया, जब उन्होंने अपने पेटीएम वॉलेट की खूबियों का प्रचार बड़े-बड़े अखबारों में किया। दिलचस्प बात है कि यह विज्ञापन उसी सुबह अखबार में दिखे जब सरकार ने अचानक नोटबंदी की घोषणा की।

शर्मा की इस तरह की तीव्र प्रतिक्रिया ने उनके उद्यमी गुणों को प्रदर्शित किया। उन्होंने न केवल उस चुनौतीपूर्ण समय में बल्कि वर्ष 2022 तक भी सफलता की ऊंचाइयों को छुआ जब मोबाइल वॉलेट इंटरऑपरेबिलिटी ने फोनपे, गूगल पे और अन्य प्रतिस्पर्धी कंपनियों को पर्याप्त उपयोगकर्ताओं का आधार दिलाया। हालांकि फोनपे और गूगल पे ने जल्द ही यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) मंच पर पेटीएम को पीछे छोड़ दिया, फिर भी पेटीएम वह शब्द बन गया है, जिसका उपयोग देश के लोग तुरंत ऑनलाइन भुगतान के लिए करते हैं।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक की स्थापना मूल रूप से मोबाइल वॉलेट के आधार पर एक तरह की बैकवर्ड इंटीग्रेशन रणनीति के तहत की गई थी। लेकिन सिर्फ पांच साल बाद वर्ष 2022 में, आरबीआई ने कंपनी को नए ग्राहकों को जोड़ने से रोक दिया। केंद्रीय बैंक ने यह कहा कि कंपनी के जोखिम प्रबंधन नियम कमजोर हैं, विशेषकर केवाईसी सत्यापन में।

तथ्य यह है कि मूल कंपनी, अगले लगभग चार वर्षों में अपनी प्रक्रिया सुधारने में नाकाम रही। अहम बात यह है कि इस विवाद में कोई पीड़ित पक्ष नहीं था क्योंकि ग्राहकों को अन्य संस्थानों में स्थानांतरित कर दिया गया था। लेकिन वर्ष 2016 से 2022 के बीच मीडिया और सरकार द्वारा प्रवर्तक को मिली वाहवाही के बावजूद इन अनुपालन खामियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

किंगफिशर एयरलाइंस के बरबाद होने जैसी घटनाओं को अक्सर अनुचित सरकारी नीति का परिणाम माना जाता है। जब सरकार ने विमानन कंपनियों को कम ब्याज दर वाले बुनियादी ढांचा वाले ऋण की श्रेणी में शामिल किया, तो इस विमानन कंपनी ने सरकारी बैंकों से बड़ा कर्ज लिया। सिद्धार्थ माल्या को यह कंपनी चलाने की जिम्मेदारी उनके कर्ज में डूबे पिता ने दी थी और उन्होंने इस विफलता को सामान्य व्यावसायिक गलती बता कर खारिज कर दिया।

लेकिन सवाल उठता है कि विमानन कंपनी के बोर्ड में वकील, बैंक अधिकारी, विमानन कंपनी के पूर्व प्रमुख और विजय माल्या के करीबी सहयोगी शामिल थे, तब बिजनेस क्लास सेवाओं को इकनॉमी क्लास किराये पर देने जैसी रणनीति को कैसे मंजूरी मिली।

आईएलऐंडएफएस के मामले में भी बोर्ड की जिम्मेदारी पर सवाल उठ सकते हैं। कंपनी ने एनरॉन जैसी शैली में अपनी कई सहायक कंपनियों पर कर्ज बढ़ाकर नुकसान छिपाने की कोशिश की और लंबे समय की परियोजनाओं के लिए अल्पकालिक कर्ज का सहारा लिया। वर्ष 2018 के अंत में जब बड़े पैमाने पर चूक की बात सामने आई तब सरकार ने तेजी से बोर्ड को भंग कर नए सदस्यों की नियुक्ति की ताकि कंपनी में सुधार किए जा सके।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों जैसे कि आईएलऐंडएफएस पर ढीली निगरानी स्पष्ट रूप से विफल रही हालांकि पहले सहारा के 'पैरा-बैंकिंग' मॉडल के पतन को चेतावनी संकेत के तौर पर देखा जाना चाहिए था। हालांकि नियामकीय निगरानी, ऑडिट एवं रेटिंग मानकों को उसी वक्त से सख्त किया गया है लेकिन भारत की एक बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी में दिखे इस संकट ने महीनों तक ऋण तंत्र को प्रभावित किया।

आईएलऐंडएफएस या नैशनल स्टॉक एक्सचेंज में हेरफेर से सबंधित को-लोकेशन विवाद यह दिखाता है कि प्रतिष्ठित संस्थानों को कम निगरानी के साथ सुरक्षित मान लेना कितना जोखिम भरा हो सकता है।

एनएसई के मामले में, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के एक रहस्यमय हिमालयी योगी के साथ संवेदनशील जानकारी साझा करने के चौंकाने वाले खुलासे उन संस्थानों में शासन के मानकों की एक परेशान करने वाली तस्वीर पेश करते हैं, जिन्हें कथित तौर पर पेशेवर तरीके से चलाया जाता है। लेकिन जहां ये संकट, घरेलू कारोबार की प्रणाली को प्रभावित करते हैं, वहीं सत्यम, रैनबैक्सी और बैजूस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया। सत्यम के बोर्ड में हार्वर्ड और सिलिकॉन वैली के लोग जुड़े थे लेकिन वे सभी इस तथ्य से पूरी तरह अनजान रहे कि फंड चुपचाप निकाला जा रहा था।

रैनबैक्सी जैसी कंपनी को एक मशहूर व्यापारिक परिवार के दो भाइयों ने चलाया और इस कंपनी को अनुसंधान में उपलब्धियों और अमेरिका में निर्यात के लिए खूब सराहा गया।

-धनंजय राजौरा

41 दिनों तक अग्नि के बीच साधना करेंगे बालयोगी संतोष नाथ महाराज

तपस्या के दौरान 24 घंटे खडे रहेंगे गुरू महाराज, दूर-दूर से दर्शन हेतु धूनी पहुंचेंगे भक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सदुरू योगेंद्र शीलनाथ जी महाराज धूनी परिसर, मल्हार देवास एक बार फिर कठिन तपस्या और आध्यात्मिक साधना का केंद्र बनने जा रहा है। शीलनाथ भक्त मण्डल सचिव राहुल शर्मा ने बताया कि हरियाणा के हिसार जिले के सुल्तानपुर गांव स्थित नाथ संप्रदाय के प्राचीन मठ के गादीपति महंत बालयोगी संतोष नाथ महाराज यहां 20 मई से 29 जून तक 41 दिवसीय पंच धूनी और खड़ी तपस्या करेंगे। प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 2.15 बजे तक चलने वाली इस विशेष तपस्या में महाराज पांच स्थानों पर जलती धूनी के बीच बैठकर ध्यान-साधना करेंगे। तपस्या के पहले दिन वे 28-28 कंडों के बीच साधना आरंभ करेंगे और इसके बाद प्रतिदिन कंडों की संख्या बढ़ाई जाएगी। लगातार 41 दिनों तक चलने वाली यह कठिन साधना श्रद्धालुओं और साधकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। महाराज इस बार वे हरियाणा के सुल्तानपुर से दो कंटेनर भरकर कंडे अपने साथ लेकर आए हैं, ताकि तपस्या बिना किसी बाधा के निरंतर चल सके। नाथ संप्रदाय में पंच धूनी तपस्या को अत्यंत कठिन और दुर्लभ साधना माना जाता है।

श्री शर्मा ने आगे बताया कि बालयोगी संतोष नाथ महाराज पिछले 19 वर्षों से यह तपस्या करते आ रहे हैं। धधकती अग्नि के बीच घंटों ध्यान लगाना और खड़े रहकर साधना करना सामान्य साधकों के लिए बेहद कठिन माना जाता है। सुल्तानपुर गांव में नाथ संप्रदाय का करीब 800 वर्ष पुराना प्राचीन मठ स्थित है, जिसे शीलनाथ गुरू गादी के नाम से जाना जाता है। यही स्थान श्रीमंत सदुरू योगेंद्र शीलनाथ जी महाराज का गुरु स्थान भी है। मान्यता है कि गुरु महाराज ने यहीं इलायची नाथ जी महाराज से शिक्षा और दीक्षा प्राप्त की थी। वर्तमान में इस मठ के गादीपति महंत बालयोगी संतोष नाथ जी महाराज हैं। 20 मई से प्रारंभ होने वाली यह तपस्या देवास के धार्मिक वातावरण को एक बार फिर आस्था और साधना से ओतप्रोत कर देगी। भक्त मण्डल ने नगर सहित प्रदेशभर के भक्तों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर गुरु महाराज की तपस्या का दर्शन लाभ लेवे।

20 महीने से फरार था मक्सी दंगे का आरोपी, पुलिस ने सब्जी मंडी से पकड़ा

3 आरोपियों की अब भी तलाश जारी, पुलिस कर री सरगर्मी से तलाश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी में हुए दंगे के मामले में करीब 20 महीने से फरार चल रहे आरोपी लारेब मेव को मक्सी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मक्सी थाना प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि सोमवार रात मुखबिर की सूचना पर आरोपी को सब्जी मंडी के पास से पकड़ा गया। मंगलवार सुबह उसे उज्जैन से आई सीआईडी टीम को सौंप दिया गया।

सीआईडी टीम ने आरोपी लारेब मेव को न्यायालय में पेश किया। टीम ने मामले में आगे की पूछताछ और अन्य फरार आरोपियों तक पहुंचने के लिए कोर्ट से रिमांड की मांग की है।

दंगे के बाद से ही था फरार, पुलिस कर रही थी तलाश- आरोपी लारेब मेव दंगा प्रकरण के बाद से ही लगातार फरार चल रहा था। इस मामले में पहले भी कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था, लेकिन आरोपी लारेब पुलिस के हाथ नहीं लग रहा था। सोमवार रात को वह पुलिस के हत्थे चढ़ा। लेकिन कुछ अन्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और अन्य फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

तीन अन्य आरोपियों की तलाश जारी- अपराध अनुसंधान कार्यालय में पदस्थ टीआई लाखन सिंह भूरिया ने जानकारी दी कि इस पूरे मामले की केस डायरी उन्हें दो महीने पहले ही मिली थी। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीन अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है।

एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य, समय सीमा तक प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर बंद होगी सब्सिडी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सभी एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण (ई-केवाईसी) कराना अब अनिवार्य कर दिया गया है। जिन उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन लेने के बाद अब तक अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण नहीं की है, उनकी बाजार सब्सिडी एवं लक्षित सब्सिडी 30 जून 2026 तक स्थगित अथवा रोक दी जाएगी। एचपी गैस एजेंसी संचालक मनीष सोलंकी ने बताया कि विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार यदि संबंधित उपभोक्ता 30 जून 2026 या उससे पहले अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर लेते हैं, तो 30 जून 2026 तक लिए गए सभी रिफिलों पर रोकी गई पात्र सब्सिडी उनके बैंक खाते में जारी कर दी जाएगी। वहीं, निर्धारित समय सीमा तक ई-केवाईसी पूर्ण नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं की 30 जून 2026 तक की सब्सिडी समाप्त मानी जाएगी। ऐसे उपभोक्ताओं को 1 जुलाई 2026 से गैर-सब्सिडी वाले एलपीजी रिफिल ही उपलब्ध कराए जाएंगे। विभाग ने सभी एलपीजी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण (ई-केवाईसी) अनिवार्य रूप से पूरा कर लें, ताकि उन्हें एलपीजी सब्सिडी का लाभ बिना किसी रुकावट के मिलता रहे।

आज बंद रहेंगे देशभर के मेडिकल स्टोर्स

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। औषधि व्यापार एवं जन स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले गंभीर मामलों का आज भी निराकरण नहीं हो रहा है। जिसके चलते देश में आज भी अवैध फार्मेसी का संचालन किया जा रहा है। इसे लेकर अब ऑल इंडिया केमिस्ट ने कड़ा रूख अपनाया है। जिसके आह्वान पर देशभर की 12.40 लाख केमिस्ट अपनी दुकाने आज बंद रखेंगे। ताकि अधिकारियों द्वारा इन मामलों उचित कार्रवाई कर लोगों के स्वास्थ्य से हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके।

जिला केमिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष विकास सिंदल ने बताया कि देश में आज भी अवैध ई फार्मेसी का संचालन किया जा रहा है जो की 28/8/2018 को जारी अधिसूचना जीएसआर 817(ई) के कारण हो रहा है एवं इसकी वजह से बड़े-बड़े कार्पोरेट प्रेडेटरी मूल्य निर्धारण कर रहे हैं जिस वजह से आम दवा विक्रेता प्रतिस्पर्धा से बाहर हो रहा है। श्री सिंदल ने बताया कि अधिसूचना जीएसआर 220 (ई) जो कि कोविड जेसे आपातकाल में जारी किया था उसका दुरुपयोग करके अवैध आनलाइन फार्मेसी का संचालन किया जा रहा है। इस तरह की परिस्थितियों न केवल छोटे एवं मध्यम केमिस्ट के अस्तित्व के लिए खतरा है, बल्कि जन स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम बढ़ रहा है। इसकी वजह से वैध चिकित्सीय पर्चा पर दवाइयां की बिक्री बाधित हो रही है और पुराने पर्चो का बार-बार दुरुपयोग हो रहा है। साथ ही एंटीबायोटिक की आदतें पुराने पर्चो पर जो की दवाइयां बार-बार लेने की वजह से पनप रही है, नकली अथवा सत्यापन योग्य न होने वाले प्रिस्क्रिप्शन पर दवाइयां की उपलब्धता बढ़ रही है, फार्मासिस्ट एवं रोगी के बीच प्रत्यक्ष संवाद का अभाव हो रहा है। उन्होंने बताया कि दवाइयां कोई सामान्य वस्तु नहीं है यह सीधे जन स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ मुद्दा है, जिसमें बड़े कार्पोरेट द्वारा अत्यधिक छूट के माध्यम से अपनाई जा रही हिंसक मूल्य निर्धारण की नीतियां निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को विकृत कर रही है, जिससे छोटे केमिस्ट के अस्तित्व बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है।

इमरजेंसी के लिए जिला केमिस्ट एसोसिएशन ने की व्यवस्था- जिला केमिस्ट एसोसिएशन जिला अध्यक्ष विकास सिंदल ने बताया कि आज नगर की भी करीब 800 मेडिकल की दुकाने विरोध स्वरूप बंद रहेंगी। लेकिन गंभीर मरीजों व इमरजेंसी होने पर मरीज नर्सिंग होम में संचालित मेडिकल दुकानों से मरीजों को दवाईयों की उपलब्धता रहेगी।

भीषण गर्मी में 12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर साइकिल से निकला महाराष्ट्र का संतोष

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। इन दिनों हर कोई भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। लोग घरों से निकलने से भी कतरा रहे हैं। लेकिन ऐसे हालात में भी महाकाल के भक्तों का जोश कम नहीं हो रहा है। ऐसे ही शिव भक्त साइकिल से 12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकले हैं, जिन पर मौसम का कोई असर नहीं हो रहा।

ये शिवभक्त है महाराष्ट के शनि शिंगनापुर निवासी संतोष रावते, जिन्होंने 19 अप्रैल को अपनी यात्रा की शुरूआत ओंकारेश्वर महादेव मंदिर से की है। संतोष रावते अपनी साइकिल से देश के 12 ज्योतिर्लिंग और 4 धाम की यात्रा पर निकले हैं। मंगलवार दोपहर संतोष शाजापुर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी मंदिर में मत्था टेका। आस्था की यह मिसाल देख हर कोई अचंभित है। संतोष रावते ने अपनी इस पवित्र यात्रा की शुरुआत 19 अप्रैल को मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग से किया था। वहां से उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद वे शाजापुर पहुंचे। अब उनका अगला मुख्य पड़ाव वाराणसी स्थित बाबा काशी विश्वनाथ का मंदिर है। शाजापुर से वे वृंदावन, मथुरा और अयोध्या होते हुए काशी पहुंचेंगे।

संतोष ने बताया कि वे इस पूरी यात्रा को 2 साल में संपन्न करेंगे। विशेष बात यह है कि इस साइकिल यात्रा पर निकलने से पहले वे लगातार तीन साल तक पैदल यात्रा भी कर चुके हैं।

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत स्नातक स्तर के सीट आवंटन पत्र आज होंगे जारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास के प्राचार्य डॉ एसपीएस राणा एवं प्रवेश नोडल अधिकारी डॉ संजय गाडगे ने बताया कि ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत प्रथम चरण स्नातक स्तर पर प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों जिन्होंने ऑनलाइन आवेदन किया है एवं दस्तावेजों का सत्यापन करवा चुके हैं उनका सीट आवंटन पत्र दिनांक 20 मई 2026 को जारी किए जाएंगे। विद्यार्थी ई प्रवेश पोर्टल पर लॉगिन कर आवंटित महाविद्यालय में विषय चयन कर शुल्क भुगतान के पश्चात अपना प्रवेश सुनिश्चित करें। जिन विद्यार्थियों ने क्रॉस संकाय में प्रवेश हेतु आवेदन किया है उन्हें आवंटित हेल्प सेंटर पर उपस्थित होकर दस्तावेजों का सत्यापन करना होगा। उदाहरण के लिए जिन विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय से उत्तीर्ण की है तथा वह कला संकाय में प्रवेश लेना चाहते हैं तो उन्हें अपने पात्रता प्रमाण पत्र का आवंटित हेल्प सेंटर पर जाकर सत्यापन करना होगा। उसके पश्चात ही उनका सीट आवंटन पत्र तथा शुल्क भुगतान के लिए लिंक सक्रिय हो पाएगी।

सिविल लाइन थाना पुलिस का जुआरियों पर प्रहार, 7 आरोपी गिरफ्तार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत सिविल लाइन थाना पुलिस ने उत्तम नगर इटावा क्षेत्र में दबिश देकर 7 जुआरियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 2160 नगद एवं 52 ताश पत्तों की गड्डियां जब्त की हैं। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के निर्देश पर अवैध जुआ-सट्टे के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मुखबिर सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी अमित सोलंकी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। घेराबंदी कर पुलिस ने 7 आरोपियों को जुआ खेलते पकड़ा। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी- अशोक पटवा, रवि जायसवाल, जमीर शेख, नितिन उर्फ पिंटू पाटीदार, जमीर अकबर अली, मनीष पुष्पक एवं शरद योगी।

कार्रवाई में इनकी रही भूमिका- थाना प्रभारी अमित सोलंकी, राकेश तिवारी, राजू, अंतरसिंह परमार और विकास तिवारी की सराहनीय भूमिका रही।

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी: समय पर परीक्षा संपन्न, NCH के मानकों के तहत दी जा रही है गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी द्वारा बीएचएमएस प्रथम प्रोफेशनल पाठ्यक्रम की वार्षिक विश्वविद्यालय परीक्षा, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार निर्धारित समयावधि अर्थात डेढ़ वर्ष के भीतर सफलतापूर्वक संपन्न करवा दी गई है।

संस्थान में विद्यार्थियों को सीबीडीसी करिकुलम एवं एमईएस-2024 मानकों के अनुरूप आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास हेतु स्मार्ट क्लासेस, ऑडियो-विजुअल टीचिंग सिस्टम, क्लीनिकल टीचिंग एवं प्रायोगिक शिक्षण व्यवस्था को प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न सेमिनार, कार्यशालाएँ, वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, खेलकूद गतिविधियाँ, असाइनमेंट, एवं अन्य शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त एवं व्यावहारिक शिक्षा प्रदान की जा रही है।

संस्थान के चेयरमैन मयंक राज सिंह भदोरिया ने बताया कि संस्थान का मुख्य लक्ष्य सभी विद्यार्थियों को समय पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराते हुए उनका पाठ्यक्रम निर्धारित अवधि में पूर्ण करवाना है, ताकि बीएचएमएस का साढ़े पाँच वर्ष का सम्पूर्ण कोर्स नियत समयावधि में ही पूर्ण कराया जा सके।

संस्थान के प्राचार्य डॉ योगेंद्र सिंह भदोरिया ने बताया कि डॉ सुशीला सिंह ,डॉ मुकेश अग्रवाल,डॉ हरीश कुमार,डॉ सुनील चंदेल,डॉ तनुजा बोर्डिया जैसे अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अनुशासित अकादमिक वातावरण के माध्यम से विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

संस्थान प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए कहा कि भविष्य में भी हृष्ट॥ के दिशा-निर्देशों, शैक्षणिक कैलेंडर एवं नवीन शैक्षणिक मानकों का पूर्णतः पालन किया जाता रहेगा।

टोंककला विस्फोट कांड की जांच में तेजी, न्यायमूर्ति सुभाष काकड़े पहुंचे घटनास्थल

फैक्ट्री से वेयर हाउस तक लिया जायजा, लापरवाही और सुरक्षा इंतजामों की होगी गहन पड़ताल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। टोंककला पटाखा फैक्ट्री विस्फोट मामले में न्यायिक जांच ने रफ्तार पकड़ ली है। राज्य शासन द्वारा गठित एकल सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के अध्यक्ष एवं उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुभाष काकड़े मंगलवार को टोंककला पहुंचे, जहां उन्होंने विस्फोट स्थल और जयदेव वेयर हाउस कलमा का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ऋतुराज सिंह और पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी आयोग के समक्ष रखी। इस दौरान अपर कलेक्टर शोभराम सोलंकी, एसडीएम ऋतु चौरसिया, परिवीक्षाधीन आईपीएस आलोक कुमार वर्मा सहित प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

विस्फोट के कारण से लेकर जिम्मेदारों तक होगी जांच- न्यायिक जांच आयोग हादसे के पीछे की वजह, संभावित लापरवाही और जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका की जांच करेगा। साथ ही अग्निशमन, राहत-बचाव, चिकित्सा सहायता और आपदा प्रबंधन व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता भी परखी जाएगी।

फैक्ट्री में विस्फोटक सामग्री के निर्माण, भंडारण और उपयोग से जुड़े नियमों, लाइसेंस शर्तों एवं सुरक्षा मानकों के पालन की स्थिति की भी जांच होगी। आयोग यह भी देखेगा कि कहीं विस्फोटक अधिनियम, फैक्ट्री अधिनियम और श्रम सुरक्षा नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ।

एक माह में शासन को सौंपी जाएगी रिपोर्ट- आयोग भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था, निरीक्षण प्रणाली और आपदा प्रबंधन सुधार को लेकर सुझाव देगा। जांच आयोग को एक माह के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्य शासन को सौंपना है।

और जो कॉपी होने में दिक्कत आ रही है, वह अक्सर विशेष फॉर्मेटिंग या क्लिकेबल टेक्स्ट की वजह से होती है। इसलिए इस बार मैंने साधारण टेक्स्ट में तैयार किया है, अब यह आसानी से कॉपी हो जाएगा।

खाद्य विभाग ने की कोल्ड्रिंग्स की दुकानों की जांच

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य विभाग ने मंगलवार को नगर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई। इस दौरान तहसीलदार गौरव पोरवाल, खाद्य विभाग की टीम और संबंधित पटवारी मौजूद रहे। टीम ने शहर की विभिन्न खान-पान की दुकानों पर खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, स्वच्छता और रख-रखाव की जांच की।

जांच अभियान के तहत अधिकारियों ने सम्राट लस्सी सेंटर और नई सड़क स्थित अमूल दूध पार्लर सहित कई प्रतिष्ठानों का दौरा किया। सम्राट लस्सी से मटका कुल्फी और वडीला आइसक्रीम के नमूने लिए गए। अमूल दूध पार्लर से भी आइसक्रीम और लस्सी के सैंपल जांच के लिए एकत्र किए गए। खाद्य अधिकारी एमके वर्मा ने बताया कि सभी एकत्र किए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। लैब रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विभाग खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर लगातार निगरानी रख रहा है और आमजन के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

संचालकों को भी दी समझाईश- अधिकारियों ने दुकानदारों को साफ-सफाई बनाए रखने, खाद्य सामग्री को निर्धारित मानकों के अनुसार संग्रहित करने और एक्सपायरी डेट वाले उत्पादों का विक्रय न करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि खराब सामग्री का विक्रय किया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नवतपा के पहले ही तप रहे नगरवासी, गर्मी से नहीं मिल रही राहत

25 से और झुलसाएगी गर्मी, 9 दिनों तक करना होगा भीषण गर्मी का सामना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है और तापमान उम्मीद के उलट प्रतिदिन बढ़ रहा है। सोमवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया था जो मंगलवार को और बढ़ गया, जिससे लोगों को दिनभर राहत नहीं मिली। मौसम विभाग की माने तो अभी नवतपा में तापमान इससे भी अधिक पहुंच सकता है।

नगर का तापमान 10 साल पहले 47.2 डिग्री दर्ज किया गया था। उसके बाद से अब तक इतना तापमान इससे अधिक दर्ज नहीं किया गया। लेकिन वर्ष 2026 में गर्मी जिस तरह कहर ढा रही है उससे संभावना है कि इस बार गर्मी सभी रिकार्ड तोड़ सकती है। क्योंकि अभी मई माह में पहली बार तापमान 45 डिग्री पहुंचा है। वहीं मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान में और अधिक उछाल आने की आशंका जताई है। यदि मौसम विभाग की भविष्यवाणी सही निकलती है तो इस वर्ष नगर के अधिकतम तापमान का रिकार्ड टूट सकता है। क्योंकि लगातार दूसरे दिन नगर का तापमान 45 डिग्री से अधिक रहा। तो रात का तापमान भी करीब 30 डिग्री तक पहुंच चुका है।

बढ़ती गर्मी बन रही परेशानी, बढ़ रही आगजनी की घटनाएं- इस मौसम में लोगों को केवल भीषण गर्मी का ही सामना नहीं करना पड़ रहा, बल्कि इससे आगजनी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। पिछले करीब एक माह में एक दर्जन से अधिक आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं। इसमें सड़क पर चलने वाले वाहनों में आगजनी का ज्यादा खतरा रहता है। पिछले दिनों ही लंबी दूरी की इंटरसिटी एक्सप्रेस में तेज गर्मी की वजह से आग लग गई थी जिससे बस तो जलकर खाक हुई ही। इसमें इस चार साल का बच्चा जिंदा जल गया। इसके पहले भी जिला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर ग्राम सनकोटा में भी बारातियों से भरी एक बस जलकर राख हो गई थी। जिसमें बारातियों का सारा सामान व नगदी जलकर राख हो गए थे। समय रहते बारातियों के उतरने से बड़ा हादसा टल गया था। यही नहीं मंगलवार को भी मोहन बड़ोदिया में एक घर में आग लगने से घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। आगजनी का कारण तो स्पष्ट नहीं हो पाया, लेकिन बढ़ती गर्मी की वजह से ऐसी घटनाएं आए दिन देखने व सुनने को मिल रही हैं।

पिछले करीब डेढ़ माह से 40 से 44 डिग्री का सामना कर रहे नगरवासियों को चिकित्सकों ने भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. बीएस मैना ने बताया कि गर्मी में स्वास्थ्य का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि नगरवासी ज्यादा धूप में न निकलें। यदि निकलना जरूरी हो तो खुद को पूरी तरह कवर करने के बाद ही निकलें। जितना हो सके उतना अधिक पानी पिएं और दिन में बार-बार पानी पीते रहें जिससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहेगा। बांसी खाने से जितना हो सके दूर रहें और ताजा भोजन का ही सेवन करें। गर्मी के मौसम में हल्के कपड़े पहने जिससे गर्मी न लगे।

कलेक्टर कार्यालय में हुआ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला शाजापुर के मागदर्शन में विश्व रक्तचाप दिवस के उपलक्ष्य में कलेक्टर कार्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में कलेक्टर सहित अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। शिविर के दौरान लगभग 141 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का रक्तचाप, मधुमेह जांच, रक्त के नमूने लिये गये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य, सिविल सर्जन डॉ. बी.एस. मैना, मेडिकल विशेषज्ञ डॉ. आलोक सक्सैना सहित नर्सिंग स्टॉफ, पैथालॉजी स्टॉफ आदि उपस्थित थे।

पटवारियों की लापरवाही पर भड़के किसान

नेवरीपाड़ा और नागझिरी के ग्रामीणों ने कानवन टप्पा तहसील घेरी, पुन: बंदोबस्त की मांग

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व रिकॉर्ड में सुधार और नए राजस्व ग्राम के गठन के नाम पर पटवारियों द्वारा की गई लापरवाही अब ग्रामीणों के लिए गले की हड्डी बन गई है। पटवारी हल्का नंबर 50 जलोदखेता के अंतर्गत आने वाले राजस्व ग्राम नागझिरी के मजरा नेवरीपाड़ा को नया राजस्व ग्राम बनाने की प्रक्रिया में बंदोबस्त पटवारियों द्वारा किए गए त्रुटिपूर्ण सीमांकन और दोषपूर्ण नक्शा निर्माण को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।

मंगलवार को क्षेत्र के सैकड़ों किसानों और ग्रामीणों ने एकजुट होकर टप्पा तहसील कार्यालय कानवन का घेराव किया। ग्रामीणों ने यहाँ नायब तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपकर इस पूरी प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुनः बंदोबस्त और तत्काल नक्शा सुधार की मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बिंदुवार अपनी समस्याएं बताते हुए कहा कि बंदोबस्त अधिकारियों और पटवारियों ने बिना धरातलीय सच्चाई देखे, कार्यालय में बैठकर ही नया नक्शा तैयार कर दिया है। इस गंभीर लापरवाही के कारण वर्तमान में किसानों की पैतृक भूमि मौके पर अपनी सही स्थिति में नहीं है। किसी किसान की जमीन दूसरे के नाम पर दर्ज हो गई है, तो किसी का रास्ता ही बंद हो गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस त्रुटिपूर्ण नक्शे के कारण सबसे बड़ी समस्या वन विभाग की सीमा को लेकर आ रही है। कई स्थानों पर वन विभाग की जमीन और किसानों की निजी कृषि भूमि आपस में उलझ गई है। इसके चलते आए दिन वन कर्मियों और ग्रामीणों के बीच विवाद, गाली-गलौज और तनाव की स्थिति निर्मित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते इस विवाद को नहीं सुलझाया, तो आने वाले दिनों में यहाँ कोई गंभीर खूनी संघर्ष या बड़ी जनहानि हो सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों से दोटूक शब्दों में मांग की है कि ग्राम नागझिरी एवं नेवरीपाड़ा का तकनीकी रूप से दोबारा आधुनिक मशीनों से सर्वे कराया जाए। सही सीमांकन कर नक्शे की त्रुटियों को सुधारा जाए ताकि वास्तविक हकदारों को न्याय मिल सके। अधिकारियों ने ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच के लिए एक टीम गठित करने और उचित वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

टप्पा तहसील कार्यालय में प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान सरपंच संतोष मुनिया, कन्हैयालाल मुनिया, पप्पू मुनिया, मनोज मुनिया, गोविंद मुनिया, पन्ना मुनिया, नंदराम पग्गी, परबू डोडियार, नानूराम मुनिया, गोपाल कटारा, सुरेश मेड़ा, गेंदू भूरिया, गिरधारी सोरट, ईश्वर मुनिया, गला मेड़ा, राधेश्याम कटारा, एवं नानूराम भगोरा सहित नेवरीपाड़ा और नागझिरी के सैकड़ों पीड़ित किसान और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पटवारियों ने बंदोबस्त के नाम पर पूरा नक्शा बिगाड़ दिया है। जो जमीन पीढ़ियों से हमारे पास है, उसे कागजों में कहीं और दिखा दिया गया। जब तक दोबारा निष्पक्ष सर्वे नहीं होगा, किसानों का आक्रोश शांत नहीं होगा।

- संतोष मुनिया (सरपंच)

बुरहानपुर को स्वास्थ्य के क्षेत्र में सौगात-अब जिला चिकित्सालय में हर सप्ताह मिलेंगी सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की निःशुल्क सेवाएं-अर्चना चिटनिस

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) द्वारा जिला चिकित्सालय का लगातार निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने हेतु दिए गए निर्देशों का सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगा है। श्रीमती चिटनिस की पहल एवं प्रयासों से अब जिला चिकित्सालय बुरहानपुर में प्रति सप्ताह महाराष्ट्र के जलगांव स्थित उल्हास पाटिल मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे जिले के हजारों मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

अब तक गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को त्वचा रोग, नाक-कान-गला रोग, मानसिक रोग, हृदय रोग (कार्डियोलॉजी), किडनी रोग (नेफ्रोलॉजी) सहित अन्य विशेषज्ञ उपचार के लिए इंदौर, मुंबई या जलगांव जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। वहां मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टर की फीस, जांच, दवाइयों, यात्रा एवं रहने-खाने पर हजारों रुपये खर्च करने पड़ते थे। आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के कई मरीज तो केवल अधिक खर्च के कारण समय पर उपचार तक नहीं करा पाते थे।

श्रीमती अर्चना चिटनिस के प्रयासों से अब यही विशेषज्ञ सेवाएं जिला चिकित्सालय बुरहानपुर में ही निःशुल्क उपलब्ध होंगी। इससे मरीजों को बाहर जाने की परेशानी से राहत मिलेगी तथा डॉक्टर की भारी फीस और अन्य खर्चों की बचत भी होगी। स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलने से गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को सबसे अधिक लाभ प्राप्त होगा। गत दिवस जिला चिकित्सालय में 3 विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया। बड़ी संख्या में मरीजों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। मरीजों एवं उनके परिजनों ने जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण पहल बताया। जिला चिकित्सालय प्रशासन ने जानकारी दी कि आगामी समय में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या एवं सेवाओं का विस्तार और किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक मरीजों को लाभ मिल सके। मरीजों की सुविधा के लिए जिला चिकित्सालय में हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई है, जहां से उपचार एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जिला प्रशासन एवं चिकित्सालय प्रबंधन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

भीषण गर्मी में राहगीरों का सहारा बना डीबीसीपीएल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच डीबीसीपीएल द्वारा फांदा एवं आमलाहा टोल प्लाजा पर की गई ठंडे शुद्ध पेयजल की व्यवस्था राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भोपाल, सीहोर, देवास सहित प्रदेश के कई जिलों में लू और अत्यधिक तापमान को लेकर अलर्ट जारी किया है। राजधानी भोपाल में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि कई जिलों में पारा 45 डिग्री के करीब दर्ज किया जा रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का जनजीवन प्रभावित कर दिया है।

ऐसे हालात में एमपीआरडीसी के फांदा और आमलाहा टोल प्लाजा यात्रियों के लिए राहत केंद्र बन गए हैं। यहां आरओ प्लांट के माध्यम से ठंडा और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। बड़ी संख्या में ट्रक चालक, बस यात्री और अन्य राहगीर अपनी बोतलें और कैन भरकर पानी ले रहे हैं। कई बार पानी लेने वालों की कतारें भी दिखाई दे रही हैं।

लंबी दूरी तय करने वाले वाहन चालकों का कहना है कि दोपहर के समय सड़क पर सफर करना बेहद कठिन हो गया है। गर्म हवाओं के कारण शरीर में पानी की कमी तेजी से महसूस होती है। ऐसे में टोल प्लाजा पर ठंडे पेयजल की सुविधा उन्हें राहत देने के साथ ऊर्जा भी प्रदान कर रही है।

स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौर में इस तरह की व्यवस्थाएं यात्रियों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही हैं। डीबीसीपीएल की यह पहल सामाजिक सरोकार का उदाहरण बनकर सामने आई है।

बुरहानपुर पुलिस ने 3 साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शिकारपुरा पुलिस की प्रभावी कार्यवाही नेहरू नगर से गिरफ्तार स्थाई वारंटी

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और लंबे समय से फरार अपराधियों की धरपकड़ के अभियान में एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। थाना शिकारपुरा पुलिस ने त्वरित और योजनाबद्ध कार्यवाही करते हुए वर्ष 2023 से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

शिकारपुरा थाना अंतर्गत वर्ष 2023 में विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध क्रमांक 847/2023 के प्रकरण फरार चल रहे आरोपी हफ़ीज़, पिता बशीर ख़ान उम्र 25 वर्ष निवासी- हकीम अर्ज़ानी मस्जिद के पास, नेहरू नगर, शिकारपुरा के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 341,323,294,506,325, 34 के तहत मामला दर्ज था। आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था, जिसके चलते माननीय न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया गया था।

अपराधियों की धरपकड़ और लंबित वारंटों की शत-प्रतिशत तामीली को प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री आशुतोष बागरी द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था। निर्देशों पर अमल करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटिल के कुशल मार्गदर्शन में थाना शिकारपुरा पुलिस को जैसे ही आरोपी के नेहरू नगर क्षेत्र में होने की पुख्ता सूचना मिली, पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए तत्काल घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपी- हफ़ीज़, पिता बशीर ख़ान उम्र 25 वर्ष निवासी- हकीम अर्ज़ानी मस्जिद के पास, नेहरू नगर शिकारपुरा

सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी शिकारपुरा श्री संदीप चौरसिया,प्रधान आरक्षक 77 शेख जाकिर,37 दिपेन्द्र तवर, आरक्षक 192 मनोज चौहान की सराहनीय भूमिका रही।

भ्रष्टाचार की केबल, लापरवाही के खंभे, बदनावर में बिजली कंपनी ने बिछाया मौत का जाल, बड़नगर हादसे से भी नहीं लिया सबक

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकार द्वारा जनता की गाढ़ी कमाई के लाखों रुपए पानी की तरह बहाकर बदनावर नगरीय क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को आधुनिक और निर्बाध बनाने का ढिंढोरा पीटा जा रहा था। लेकिन भ्रष्टाचार की दीमक ने इस पूरे प्रोजेक्ट को शुरू होने से पहले ही खोखला कर दिया। बड़ी चौपाटी से बड़नगर रोड पर डाली गई नई नवेली केबल का महज दो महीने के भीतर धू-धू कर जल जाना कोई सामान्य तकनीकी फॉल्ट नहीं, बल्कि बिजली विभाग और ठेकेदार की मिलीभगत से किए गए घटिया निर्माण कार्य का जीता-जागता सबूत है। जनता पूछ रही है कि जो केबल लोड तक नहीं सह पाई, उसे हैवी प्लास्टिक कोटेड बताकर किस अधिकारी ने हरी झंडी दी थी? यह तो गनीमत रही कि जब यह मुख्य लाइन जलकर टूटी, तब नीचे से कोई राहगीर या दोपहिया वाहन नहीं गुजर रहा था, वरना बदनावर में एक बड़ा श्मशान बनते देर नहीं लगती।

इस पूरे केबलीकरण प्रोजेक्ट में जनता की आंखों में धूल झोंकने का जो खेल खेला गया है, वह चौंकाने वाला है। बड़नगर रोड पर नए पोल लगाने का बकायदा बजट पास हुआ था। लेकिन ठेकेदार ने विभागीय अफसरों के संरक्षण में एक मास्टरस्ट्रोक खेला– बरसों पुराने, जंग खाए और कबाड़ हो चुके जिन खंभों का रंग पहले लाल था, उन्हें बदला ही नहीं गया। ठेकेदार के मजदूरों ने उन्हीं पुराने लाल खंभों को उखाड़ा, उन पर चमचमाता हुआ सिल्वर कलर पोता और नए खंभों के दाम वसूलने के लिए उन्हें वापस जमीन में गाड़ दिया। आज स्थिति यह है कि अगर इन कथित नए सिल्वर खंभों को उंगली के नाखून से भी थोड़ा सा खुरचा जाए, तो अंदर से वही पुराना लाल रंग और जंग चीख-चीखकर विभाग के भ्रष्टाचार की कहानी बयां कर देता है। आखिर किसके इशारे पर इस कबाड़ को नया बताकर पास किया गया?

विभाग की आक्रमकता और संवेदनहीनता का आलम यहीं खत्म नहीं होता। नियमों के मुताबिक इन केबलों को एक निश्चित ऊंचाई और सुरक्षा मानकों के साथ बांधा जाना था। लेकिन यहाँ तो पूरी केबल सड़क पर झूल रही है। कई जगहों पर ये केबलें इतनी नीचे लटक रही हैं कि कोई भी बड़ा वाहन या ट्रक इनसे टकरा सकता है। स्थानीय नागरिकों और सजग व्यापारियों का गुस्सा इस बात पर भी भड़का हुआ है कि अभी कुछ ही दिनों पहले बड़नगर में इसी तरह बिजली विभाग और केबल की लापरवाही के कारण एक 27 साल का होनहार नौजवान काल के गाल में समा गया। एक मां की गोद सूनी हो गई और एक परिवार उजाड़ गया। उस खौफनाक मंजर से सबक लेने के बजाय बदनावर का बिजली विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठा है। क्या बदनावर का बिजली विभाग भी यहाँ किसी 27 साल के युवक की लाश गिरने का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद ही इनकी कुंभकर्णी नींद खुलेगी?

अघोषित बिजली कटौती, बार-बार होने वाली ट्रिपिंग और बिजली चोरी रोकने के नाम पर शुरू हुआ यह केबलीकरण अब बदनावर के लोगों के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन चुका है। क्षेत्र के सजग नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध वर्ग ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि इस पूरे प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर कमीशनखोरी हुई है, जिसके चलते अत्यंत घटिया स्तर की केबल और सामग्री का उपयोग किया गया।

जनता की मांग है की इस पूरे केबलीकरण प्रोजेक्ट की सामग्री और खंभों की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए। पुराने खंभों पर सिल्वर कलर पोतने वाले भ्रष्ट ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट कर सरकारी राशि की वसूली की जाए। मौत को आमंत्रण दे रही इन नीचे लटकती केबलों को तत्काल दुरुस्त कर ऊपर बांधा जाए। यदि समय रहते इस महा-भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की गई, तो उग्र आंदोलन की चिंगारी भड़कना तय है।

श्री पंचमुखी नाग महाराज मंदिर में गूंज रही वेद मंत्रों की स्वर लहरियां

20 मई को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा श्री रूद्र महाचण्डी महायज्ञ का समापन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री पंचमुखी नाग महाराज मंदिर में 13 मई से आरंभ हुआ दिव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण से परिपूर्ण श्री रूद्र महाचण्डी महायज्ञ अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। राजा जन्मेजय की ऐतिहासिक नगरी नागदा के रूपेट रोड स्थित मंदिर परिसर में चल रहे इस भव्य धार्मिक आयोजन का समापन 20 मई को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा।

पंडित श्री विजय शर्मा (पण्डा जी महाराज) के सानिध्य तथा उज्जैन के प्रसिद्ध यज्ञाचार्य पं. गजानंद गुरु के मार्गदर्शन में आयोजित इस महायज्ञ में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है।

विजय शर्मा (पण्डा जी महाराज) ने बताया कि महायज्ञ का मुख्य उद्देश्य विश्व शांति, जनकल्याण एवं सुख-समृद्धि की मंगल कामना है।

आयोजन के अंतर्गत विशेष वैदिक अनुष्ठान, पूजन एवं यज्ञ क्रियाएं संपन्न की जा रही हैं, जिनमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। महायज्ञ में लगभग डेढ़ लाख से अधिक आहूतियां अर्पित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा है।

आदित्य शर्मा, कान्हा शर्मा एव रजत जायसवाल ने सयुक्त रूप से बताया कि - 20 मई को महायज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

पंडित श्री विजय शर्मा (पण्डा जी महाराज) ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे इस पुण्य अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ एवं प्रसाद ग्रहण करें।

इस विशाल आयोजन को सफल बनाने में सत्यनारायण शर्मा, विजय संघवी, नितिन ओरा, राजेश सकलेचा, संजय जैन, काशीराम पाटीदार, कालूराम पोरवाल, टिंकू मीणा, जैकी शर्मा, रवि चौहान, राधे जायसवाल, रोहित पोरवाल, राजा पोरवाल, धर्मेन्द्र चौहान, बद्रीलाल चौहान, श्याम पाटीदार, जगदीश पाटीदार, सुरेश पाटीदार, दिनेश मीणा, ओमप्रकाश शर्मा, नितेश टांक, कैलाश कुमावत, आतू बाबा, दीपक गुर्जर, सुमित दवे, सोनू मीणा, राजेश इयान, रजनीश रघुवंशी, दिपक जैन एव जीवनलाल जैन सहित अनेक भक्तजन सक्रिय सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

आज 20 मई को बंद रहेगा दवा व्यापार, केमिस्ट एसोसिएशन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केमिस्ट एसोसिएशन सुसनेर द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आज 20 मई को एक दिवसीय दवा व्यापार बंद रखने की घोषणा की गई है। इसे लेकर मंगलवार को एसोसिएशन पदाधिकारियों ने डग रोड स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंचकर एसडीएम किरण वरवड़े को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दवा व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की गई। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि व्यापारियों की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही है, लेकिन अब तक संतोषजनक निराकरण नहीं होने से मजबूरन बंद का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में केमिस्ट व्यापारी उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने बताया कि बुधवार को जिला स्तर पर भी जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांगों के निराकरण की मांग की जाएगी। केमिस्ट एसोसिएशन के अनुसार आज 20 मई को सुसनेर क्षेत्र के मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे।

नाबार्ड सीजीएम श्रीमती सी. सरस्वती द्वारा नवीन सदस्यों को किसान केडिट कार्ड का वितरण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 18 मई को स्थानीय अम्बा पैलेस में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक भोपाल की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी. सरस्वती एवं उप महाप्रबंधक सलील जोकनकर द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ से संबंद्ध बी-पैक्सों के नवीन सदस्यता अभियान अन्तर्गत बनाये गये सदस्यों को किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण किया गया। समारोह में नाबार्ड डीडीएम श्री नरेन्द्र मोहिते एवं बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आरजू इकबाल खान, प्रबंधक प्रशासन श्री विधान कनेश एवं सारा सेवा संस्थान समिति के प्रमुख विशेष रूप से उपस्थित रहें।

नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सरस्वती द्वारा संबोधित करते हुये कहा कि जिला बैंक झाबुआ द्वारा कमजोर बैंक की श्रेणी से बाहर आने के लिये किये गये प्रयास काफी सराहनीय हैं एवं नवीन सदस्य बनाये जाकर उन्हें ऋण वितरण करना, अंशपूजी बढ़ाना एवं सदस्यों को समितियों द्वारा प्रदत्त अन्य सुविधा का लाभ उपलब्ध कराना बैंक/समिति के हित में है, साथ ही उन्होंने सारा सेवा संस्थान द्वारा महिलाओं के लिये किये जा रहे कार्यों की भी प्रशंसा की हैं। महिलाओं द्वारा कडकनाथ मुर्गीपालन एवं समूह में छोटी छोटी बचत कर करते हुये राशि एकत्रित कर व्यवसाय करना एवं पारिवारिक जरूरतों को पूरा किये जाने का कार्य बहुत प्रशंसनीय हैं। सारा सेवा संस्थान की श्रीमती नवलीबाई द्वारा प्रस्तुत गीत झण्डा ऊंचा रहे नारी का को बहुत सराहा ।

मातृशक्ति के सम्मान में गरिमामय 'मातृत्व गौरव सम्मान कार्यक्रम' आयोजित

नागदा/अनुज नाहर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय मातृत्व दिवस के पावन अवसर पर भारतीय जैन संघटना नागदा केंद्र द्वारा मातृत्व की महिमा, त्याग, संघर्ष एवं समर्पण को समर्पित मातृत्व गौरव सम्मान कार्यक्रम÷ का गरिमामय आयोजन किया गया। यह आयोजन BJS के फाउंडेशन प्रोग्राम श्रृंखला के अंतर्गत मई माह की विशेष गतिविधि के रूप में संपन्न हुआ। मीडिया प्रभारी अनुज नाहर ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य उन मातृशक्तियों को सम्मानित करना था, जिन्होंने जीवन के कठिनतम दौर में भी अदम्य साहस, आत्मबल और दृढ़ संकल्प के साथ अपने परिवार एवं बच्चों के भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी निभाई। विशेष रूप से उन माताओं का अभिनंदन किया गया, जिन्होंने जीवनसाथी के असमय निधन के बाद भी हार न मानते हुए संघर्षमय परिस्थितियों में अपने मातृत्व धर्म का निर्वहन किया। साथ ही एक वीरमाता का भी सम्मान किया गया, जिन्होंने अपने पुत्र को राष्ट्रसेवा हेतु समर्पित कर मातृत्व की सर्वोच्च भावना का परिचय दिया। समारोह में कुल 9 मातृशक्तियों–सरिता चपलोत, मंजू जैन, सरोज जैन, शकुंतला जोधावत, झमकू बाई पितलिया, विमल जैन, बिंदु कांठेड़, आशा कोठारी एवं पुष्पा कुंवर–का पगधुलाई, माल्यार्पण एवं मातृत्व गौरव सम्मान पत्र प्रदान कर भावपूर्ण अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सम्मानित माताओं ने अपने संघर्ष, त्याग एवं जीवन अनुभव साझा किए। उनके प्रेरणादायी विचारों ने उपस्थित जनसमूह को भावुक करने के साथ-साथ जीवन में संघर्षों से लड़ने की नई प्रेरणा भी दी। पूरा वातावरण मातृत्व सम्मान, संवेदनाओं और गौरवपूर्ण भावनाओं से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम में अंकुर जैन, मयंक जैन, आशीष पोखरना, अमित बम, अंजुली कांठेड़, रचना चपलोत, विभा बम, सरिता सकलेचा एवं सोनम कोलन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

स्व प्रेमसिंह दत्तीगांव की स्मृति में विधानसभा स्तरीय रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता होगी

26 मई को आयोजन का होगा शुभारंभ, क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के पूर्व विधायक राजा प्रेमसिंह दत्तीगांव की स्मृति में यूथ स्पोर्ट्स क्लब, ओल्ड इलेवन क्लब एवं बदनावर एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में विधानसभा स्तरीय रात्रिकालीन टेनिस बॉल ओपन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 26 मई से किया जाएगा। प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह 4 जून को आयोजित होगा।

प्रतियोगिता बदनावर स्थित नंदराम चौपड़ा खेद मैदान पर खेली जाएगी, जिसमें विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों की क्रिकेट टीमें हिस्सा लेंगी। रात्रिकालीन आयोजन को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में अभी से उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में विजेता टीम को 51 हजार 151 रुपये, उपविजेता टीम को 31 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 15 हजार 555 रुपये का नगद पुरस्कार व ट्राफी प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं क्षेत्रीय प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना, युवाओं में खेल भावना विकसित करना तथा खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्रभर की टीमों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

आयोजन समिति ने क्षेत्र के खेल प्रेमियों, युवाओं एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने और प्रतियोगिता को सफल बनाने की अपील की है।

बखतगढ़ में विकास कार्यों की सौगात, विधायक भंवर सिंह शेखावत ने किया लोकार्पण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बखतगढ़ में विभिन्न विकास कार्यों का भव्य लोकार्पण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक भंवर सिंह शेखावत उपस्थित रहे, जिन्होंने फीता काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर क्षेत्र को नई सौगातें समर्पित कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जनपद सदस्य एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ठाकुर हरि नारायण सिंह पंवार ने की।

लोकार्पण समारोह में विशेष अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मुजीब कुरैशी, धार जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी राधेश्याम मुवेल, कमल सिंह पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष निरंजन सिंह पवार, पूर्व उपसरपंच हिम्मत सिंह पवार तथा बखतगढ़ मंडल अध्यक्ष निलेश शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में ग्राम पंचायत बखतगढ़ की सरपंच श्रीमती मांगू बाई, सचिव महेश जोशी, उपसरपंच संगीता औरा एवं समस्त पंचगणों ने अतिथियों का पुष्पहार और साफा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

विधायक शेखावत ने बखतगढ़ की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए - गीता बाई के घर से लेकर राजेश पोरवाल के घर तक नवनिर्मित खरंजा मार्ग। हनुमान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सामुदायिक शेड का निर्माण। चौपाटी कोद रोड क्षेत्र में आधुनिक अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन का निर्माण कार्य।कन्हैया लाल गुर्जर के घर से तेजाजी चौक तक नवनिर्मित खरंजा मार्ग का लोकार्पण कर ग्राम वासियो को सौगात दी।

इस गरिमामयी अवसर पर पंचायत के वार्डों का प्रतिनिधित्व करने वाले पंचगण-रोहित गुर्जर, गोपाल जाट, शुभम आजना, अरविंद सिंह कछावा, नूतन चौरसिया, बंसीलाल पाटीदार, इंदु बाला, रेखा पाटीदार, पूजा राठौर, पुष्पा मुनिया, जितेंद्र राठौर, तरन्नुम कुरैशी और संपत बाई तंबोलिया विशेष रूप से मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक, मातृशक्ति और ग्रामीणजन उपस्थित थे, जिन्होंने विकास कार्यों की सौगात मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास और अंतिम छोर के व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना ही हमारी प्राथमिकता है। बखतगढ़ में हुए ये कार्य यहाँ की जनता को कीचड़ और जलजमाव जैसी समस्याओं से मुक्ति दिलाएंगे।

- भंवर सिंह शेखावत, विधायक

खबर का असर

सिविल अस्पताल में फिर शुरू हुई एक्सरे सुविधा, मरीजों को मिली बड़ी राहत

कई दिनों बाद नियमित समय पर खुला एक्सरे रूम

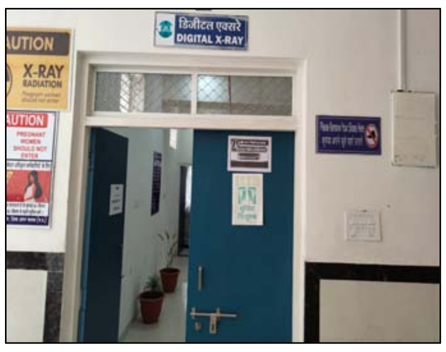

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिविल अस्पताल सुसनेर में पिछले कई दिनों से बंद पड़ी एक्सरे सुविधा आखिरकार मंगलवार से पुनः शुरू हो गई। सुबह नियमित समय पर एक्सरे रूम खुलते ही अस्पताल में मरीजों की भीड़ दिखाई दी और लंबे समय से जांच का इंतजार कर रहे मरीजों ने पहुंचकर अपने एक्सरे करवाए। कई दिनों बाद अस्पताल में जांच सुविधा बहाल होने से मरीजों एवं उनके परिजनों ने राहत की सांस ली। गौरतलब है कि अस्पताल में पदस्थ एक्सरे टेक्नीशियन के अर्जित अवकाश पर चले जाने के कारण 9 मई से एक्सरे सेवा पूरी तरह बंद पड़ी हुई थी। इस दौरान अस्पताल के एक्सरे रूम पर लगातार ताला लगा रहा जिससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। डॉक्टरों द्वारा एक्सरे जांच लिखे जाने के बावजूद मरीजों की जांच नहीं हो पा रही थी और उन्हें मजबूरी में निजी सेंटरों पर जाकर महंगे दामों में एक्सरे करवाने पड़ रहे थे। सबसे ज्यादा परेशानी गरीब एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को उठानी पड़ी। कई मरीज लगातार अस्पताल के चक्कर काटते रहे लेकिन सुविधा शुरू नहीं होने से उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। मामले को लेकर दैनिक मालवा हेराल्ड में शनिवार को समाचार प्रकाशित होने के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हुआ। समाचार प्रकाशित होने के बाद एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार राजेश श्रीमाल ने अस्पताल पहुंचकर निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान एक्सरे रूम बंद मिला था, जिसके बाद अधिकारियों ने अस्पताल प्रबंधन से चर्चा कर जल्द वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने बड़ौद से टेक्नीशियन की व्यवस्था की। जानकारी के अनुसार सोमवार को नलखेड़ा से आने वाले टेक्नीशियन का एक्सीडेंट हो जाने के कारण सेवा शुरू नहीं हो सकी थी लेकिन मंगलवार को बड़ौद से टेक्नीशियन पहुंचने के बाद एक्सरे सुविधा फिर से शुरू कर दी गई। सुबह से ही अस्पताल में मरीजों की कतार लगी रही और एक-एक कर मरीजों की जांच की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश देहलवार ने बताया कि सुसनेर सिविल अस्पताल में एक्सरे सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है और अब नियमित रूप से मरीजों की जांच की जाएगी। क्षेत्रीय नागरिकों ने कहा कि समाचार प्रकाशित होने और प्रशासनिक सक्रियता के बाद ही व्यवस्था पटरी पर लौट सकी। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए स्थायी व्यवस्था की जाए ताकि मरीजों को समय पर सभी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

सोना दबा है कहकर बच्चे से खुदवाई जमीन, तांत्रिक क्रिया के आरोप

लाल कपड़ों में व्यक्ति पढ़ता रहा मंत्र, डरकर जंगल से भागा मासूम

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कथित तंत्र-मंत्र और गुप्त धन निकालने से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सुसनेर विधानसभा के सोयतकला थाना क्षेत्र स्थित ग्राम गुराड़ी बंगला के एक 8 वर्षीय बालक को अमरकोट गढ़ ले जाकर तांत्रिक क्रियाएं करने और जमीन खुदवाने के आरोप के बाद क्षेत्र में भय और चर्चा का माहौल बन गया है। मामले को लेकर मंगलवार को पीड़ित परिवार आगर पहुंचा और पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी से मुलाकात कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। परिजनों द्वारा पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार 14 मई की सुबह गांव के दो युवक बालक को मोटरसाइकिल पर बैठाकर अमरकोट गढ़ की ओर ले गए थे। परिवार को शुरुआत में इस बात की जानकारी नहीं थी कि बच्चे को कहां और किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा है। काफी देर तक बच्चा वापस नहीं लौटा तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। बाद में जब बालक घर पहुंचा तो उसने जो आपबीती सुनाई, उसे सुनकर परिवार के लोग सहम गए।

बालक ने बताया कि अमरकोट गढ़ पहुंचने पर वहां पहले से कुछ लोग मौजूद थे और जमीन खोदने का काम चल रहा था। आरोप है कि वहां मौजूद लोगों ने बच्चे से कहा कि जमीन के नीचे सोना-चांदी और गड़ा हुआ धन दबा है। जिसे निकालने के लिए खुदाई करनी होगी। इसी दौरान लाल कुर्ता और लाल पायजामा पहने एक व्यक्ति, जिसके हाथ में चिमटा था, बच्चे के पास आया और उसके ऊपर मंत्र पढ़ने लगा। बच्चे के अनुसार वहां का माहौल बेहद डरावना था और सभी लोग अजीब तरह की बातें कर रहे थे। घबराया बालक मौका मिलते ही वहां से भाग निकला और जंगल के रास्ते छिपते हुए किसी तरह अपने घर पहुंचा। घर पहुंचने के बाद उसने पूरी घटना अपने दादा और मामा को बताई। घटना सुनने के बाद परिवार में डर और आक्रोश का माहौल बन गया। परिजनों का कहना है कि यदि बच्चा साहस नहीं दिखाता और वहां से भागकर नहीं आता तो उसके साथ कोई गंभीर अनहोनी हो सकती थी। मामले की जानकारी गांव में फैलते ही लोगों में भी भय का वातावरण बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि अमरकोट गढ़ क्षेत्र को लेकर पहले भी तरह-तरह की चर्चाएं होती रही हैं। लेकिन इस तरह नाबालिग को कथित तांत्रिक क्रियाओं में शामिल करने का मामला बेहद गंभीर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की गहन जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने पीड़ित पक्ष को मामले में उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। वहीं सोयतकलां थाना पुलिस को पूरे मामले की जांच कर संबंधित लोगों से पूछताछ के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अमरकोट गढ़ में आखिर किस उद्देश्य से खुदाई और कथित तंत्र-मंत्र की गतिविधियां संचालित की जा रही थीं।

पेटलावद में सचिवों की बैठक आयोजित, जल संवर्धन कार्यों में गति लाने के निर्देश

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा पेटलावद में पदस्थ ग्राम पंचायत सचिवों की बैठक ली गई। बैठक में ग्रामीण विकास एवं जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों पर असंतोष व्यक्त किया तथा सभी सचिवों को निर्देशित किया कि जिले में अधिक से अधिक जल संवर्धन के कार्य कराए जाएं।

उन्होंने हैंडपंप रिचार्ज पिट निर्माण, जल स्रोतों के संरक्षण एवं जल आपूर्ति व्यवस्थाओं के रखरखाव संबंधी कार्य पंचायत स्तर पर प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सचिव निरंतर ग्रामवासियों के संपर्क में रहें तथा नियमित रूप से ग्राम चौपालों का आयोजन कर ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्रामीण विकास कार्यों को तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

लंबित नामांतरण-बंटवारा मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं कलेक्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जिले में लंबित अविवादित नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व और जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से तय समय-सीमा में सभी लंबित मामलों का निराकरण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा, नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, संजीव जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। विकासखंड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी जर्जर स्कूल और आंगनवाड़ी भवनों की तत्काल जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अत्यधिक जर्जर और असुरक्षित भवनों को तुरंत तोड़ा जाए तथा नए होकर भी खराब स्थिति में पहुंचे भवनों की गुणवत्ता जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा।

बिजली विभाग को सख्त निर्देश- कलेक्टर ने एमपीईबी अधिकारियों को टूटे हुए बिजली पोल, झूलते तार और खराब ट्रांसफार्मरों की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

अधिकारियों को औचक निरीक्षण के निर्देश- कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को अपनी-अपनी संस्थाओं और कार्यालयों का नियमित औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के लिए रोस्टर तैयार कर विस्तृत रिपोर्ट कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसकी सतत मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

बैठक में ग्राम पंचायतों के राजस्व स्रोतों की समीक्षा करते हुए जलकर और संपत्ति कर संग्रह अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए गए। पंचायतों में टैक्स कलेक्शन रजिस्टर तैयार करने तथा ग्रामीणों को कर भुगतान के फायदे बताने पर भी जोर दिया गया।

नगर विकास को मिली रफ्तार, विभिन्न कार्यों हेतु 20 लाख रुपये स्वीकृत

विधायक निधि से सड़क, मंदिर व सामुदायिक भवन निर्माण को मिली सौगात

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के विभिन्न विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों द्वारा करीब 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से नगर में सड़क, सामुदायिक भवन एवं धार्मिक स्थलों के विकास कार्य कराए जाएंगे। जानकारी के अनुसार कांग्रेस पार्टी द्वारा नगर विकास को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न वार्डों एवं क्षेत्रों में आवश्यक निर्माण कार्यों के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। विधायक प्रतिनिधि राणा चितरंजनसिंह ने बताया कि सुसनेर क्षेत्र के विधायक भेरो सिंह बापू द्वारा अपनी विधायक निधि से कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की गई है। नगर के शीतला माता मंदिर एवं बगड़ावत धाम मंदिर परिसर में विकास कार्यों के लिए 5 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है। इससे मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा तथा आवश्यक निर्माण कार्य संपन्न होंगे। इसके अलावा नगर की जामा मस्जिद तक पहुंच मार्ग को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पांच फिट रोड निर्माण कार्य हेतु 7 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। राशि स्वीकृत होने के बाद अब जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं वार्ड क्रमांक 10 में राजेंद्र बजाज के मकान से सुभाष पंडित के मकान तक सीसी रोड निर्माण के लिए 3 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है। सड़क निर्माण होने से वार्डवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बरसात के समय होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी। स्थानीय लोगों ने इस कार्य को क्षेत्र की आवश्यक जरूरत बताते हुए खुशी जाहिर की है। इसी क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजयसिंह द्वारा भी नगर के डाक बंगला क्षेत्र स्थित विश्वकर्मा मंदिर के समीप सामुदायिक भवन निर्माण के लिए श्री विश्वकर्मा मेवाड़ा सुतार मंदिर समिति को अपनी निधि से 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। सामुदायिक भवन बनने से सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

नगरवासियों एवं सामाजिक संगठनों ने विभिन्न विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत होने पर जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि इन कार्यों के पूर्ण होने से नगर की मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा और आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। विधायक प्रतिनिधि राणा चितरंजनसिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं तथा भविष्य में भी जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मयंक राज सिंह भदौरिया बने मप्र दिव्यांगजन आयुक्त समिति के सदस्य

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मयंक राज सिंह भदौरिया को मध्यप्रदेश दिव्यांगजन आयुक्त समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से सामाजिक एवं दिव्यांगजन कल्याण क्षेत्र से जुड़े लोगों में हर्ष का माहौल है।

मध्यप्रदेश दिव्यांगजन आयुक्त समिति का गठन दिव्यांगजनों के अधिकारों की सुरक्षा, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और उनकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से किया जाता है। समिति सरकार और समाज के बीच समन्वय स्थापित कर दिव्यांगजनों के हित में सुझाव देने का कार्य करती है।

समिति के सदस्य के रूप में मयंक राज सिंह भदौरिया अब दिव्यांगजनों की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। साथ ही दिव्यांगजनों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने, जागरूकता बढ़ाने और उनकी समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाने का कार्य भी करेंगे।

सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय अमलतास एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी लंबे समय से शिक्षा, समाजसेवा और जरूरतमंद लोगों के सहयोग के क्षेत्र में कार्य कर रही है। मयंक भदौरिया की नियुक्ति को संस्था और जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

उनकी नियुक्ति पर सामाजिक संगठनों, शुभचिंतकों और विभिन्न वर्गों के लोगों ने बधाई देते हुए उज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर सड़कों पर उतरी पुलिस, शाम के समय सघन फुट पेट्रोलिंग जारी

सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और अफवाह फैलाने वालों पर रहेगी पैनी नजर

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन में सुरक्षा का भाव सुदृढ़ करने और कानून-व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के उद्देश्य से बुरहानपुर पुलिस इन दिनों पूरी मुस्तैदी के साथ मैदान में उतरी हुई है। पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष बागरी के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में शाम के समय सघन फुट पेट्रोलिंग (पैदल गश्त) की जा रही है। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य शहर में शांति का माहौल बनाए रखना और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना है।

थाना प्रभारियों सहित भारी पुलिस बल शाम के समय संवेदनशील और व्यस्त इलाकों में कर रहा है फुट पेट्रोलिंग, सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट शेयर करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी, होटल, ढाबों, धार्मिक स्थलों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों की ली जा रही है आकस्मिक चेकिंग, अफवाहों से बचने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस टीम सीधे जनता से कर रही है संवाद।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटिल के मार्गदर्शन में एक व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। दिनांक 19मई 2026 को बुरहानपुर जिले के समस्त थाना व चौकी प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बल के साथ पैदल मार्च किया। इस दौरान मुख्य चौराहों, मुख्य बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सघन चेकिंग की गई ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को समय रहते रोका जा सके।

पुलिस की इस कार्यवाही में केवल गश्त ही शामिल नहीं थी, बल्कि असामाजिक तत्वों पर नकेल कसी गई। सार्वजनिक स्थानों पर बिना वजह जमावड़ा लगाने वाले युवाओं को समझाइश देकर हटाया गया। इसके साथ ही, वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस की टीमें आम जनता के बीच पहुंचकर उन्हें सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक कर रही हैं।

बुरहानपुर पुलिस की आम जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक या भड़काऊ जानकारी साझा न करें। यदि कोई व्यक्ति इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है,तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बुरहानपुर पुलिस आपकी सुरक्षा में सदैव तत्पर है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 20/05/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धर्मेन्द्र पिता शिवनारायण पाटीदार द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 15/05/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 99 सरदार पटेल पार्क पंवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी 01 रामप्यारी बाई पति अशोक कुमार पाटीदार 2 मेसर्स सरदार पटेल बिल्डकॉन एल एल पी द्वारा 1 राजेश पिता स्व गौरीशंकर 2 ब्रज पिता कमल गोठी द्वारा ओमप्रकाश पिता स्व गौरीशंकर राठौर निवासी नानाखेड़ा आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1237/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक धर्मेन्द्र पिता शिवनारायण पाटीदार के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 20/05/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशा पति धर्मेन्द्र पाटीदार द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 15/05/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 103 सरदार पटेल पार्क पंवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी 01 रामप्यारी बाई पति अशोक कुमार पाटीदार 2 मेसर्स सरदार पटेल बिल्डकॉन एल एल पी द्वारा 1 राजेश पिता स्व गौरीशंकर 2 ब्रज पिता कमल गोठी द्वारा ओमप्रकाश पिता स्व गौरीशंकर राठौर निवासी नानाखेड़ा आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1235/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक आशा पति धर्मेन्द्र पाटीदार के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 20/05/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोना पति प्रकाश जी द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 15/05/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 65/2/2 शंकरपुर उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी राजेन्द्र कुमार पिता राव जी भाई आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1238/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक सोना पति प्रकाश जी के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 20/05/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशा पति धर्मेन्द्र पाटीदार द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 15/05/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 104 सरदार पटेल पार्क पंवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी 01 रामप्यारी बाई पति अशोक कुमार पाटीदार 2 मेसर्स सरदार पटेल बिल्डकॉन एल एल पी द्वारा 1 राजेश पिता स्व गौरीशंकर 2 ब्रज पिता कमल गोठी द्वारा ओमप्रकाश पिता स्व गौरीशंकर राठौर निवासी नानाखेड़ा आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1236/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक आशा पति धर्मेन्द्र पाटीदार के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 20/05/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पूजा पति जितेन्द्र जी द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 15/05/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 65 का मध्य भाग सर्वे 65/2/2 का भाग तेजाजी नगर शंकरपुर उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी राजेन्द्र कुमार पिता राव जी भाई आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1239/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक पूजा पति जितेन्द्र जी के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 20/05/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशा पति धर्मेन्द्र पाटीदार द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 15/05/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 102 सरदार पटेल पार्क पंवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी 01 रामप्यारी बाई पति अशोक कुमार पाटीदार 2 मेसर्स सरदार पटेल बिल्डकॉन एल एल पी द्वारा 1 राजेश पिता स्व गौरीशंकर 2 ब्रज पिता कमल गोठी द्वारा ओमप्रकाश पिता स्व गौरीशंकर राठौर निवासी नानाखेड़ा आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1234/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक आशा पति धर्मेन्द्र पाटीदार के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

40 जवानों ने सीखा आग बुझाने और धड़कन लौटने का तरीका

वीआईपी सुरक्षा में तैनात होमगार्ड जवानों को दी गई फायर सेफ्टी और सीपीआर की खास ट्रेनिंग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आग लगने, शॉर्ट सर्किट, अचानक हार्ट अटैक या मेडिकल इमरजेंसी जैसी घटनाओं से निपटने के लिए अब होमगार्ड और पुलिस जवानों को खास तौर पर तैयार किया जा रहा है। सोमवार को होमगार्ड लाइन उज्जैन में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें जवानों को आग बुझाने के आधुनिक तरीके और किसी घायल या बेहोश व्यक्ति की जान बचाने के लिए सीपीआर देने का लाइव प्रशिक्षण दिया गया।

जिला सेनानी संतोष कुमार जाट ने बताया कि संभागायुक्त आशीष सिंह और डीआईजी नवनीत भसीन के निर्देश पर आयोजित इस प्रशिक्षण में उन जवानों को शामिल किया गया, जो विभिन्न सरकारी कार्यालयों और अधिकारियों के बंगलों पर सुरक्षा ड्यूटी में तैनात हैं।

प्रशिक्षण के दौरान एसडीईआरएफ और नगर निगम की फायर टीम ने जवानों को आग के अलग-अलग प्रकार पहचानने, फायर एक्सटिंग्विशर चलाने और हादसे के शुरुआती मिनटों में सही निर्णय लेने की जानकारी दी। वहीं मेडिकल इमरजेंसी के दौरान घायल व्यक्ति को किस स्थिति में सीपीआर देना चाहिए, इसकी प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी कराई गई। जवानों को डमी मॉडल पर सीपीआर का अभ्यास कराया गया, ताकि किसी भी इमरजेंसी में वे तुरंत रेस्क्यू कर सकें। अधिकारियों ने बताया कि कई बार शुरुआती कुछ मिनट ही किसी व्यक्ति की जिंदगी बचाने में सबसे अहम साबित होते हैं। जिला सेनानी जाट के मुताबिक पहले चरण में 40 जवानों को प्रशिक्षण दिया गया है। आने वाले दिनों में अन्य जवानों को भी इसी तरह प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि सुरक्षा ड्यूटी के दौरान वे केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि आपदा और मेडिकल इमरजेंसी में भी तुरंत मददगार साबित हो सकें।

प्रशिक्षण में ये रहे मौजूद- प्रशिक्षण के दौरान प्लाटून कमांडर दिलीप बामनिया, सुबेदार निमेश मालवीय, प्लाटून कमांडर पुष्पेन्द्र त्यागी, एएसआई बी.एल. सारेल, सैनिक पंकज मण्डलोई और फायरमैन पंकज चौहान मौजूद रहे।

चाचा ने फावड़े से वार कर भतीजे को उतारा था मौत के घाट

12 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा, मामूली विवाद में हुई थी हत्या

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुरलीपुरा क्षेत्र में मवेशियों के बाड़े से मिली खून से सनी लाश का मामला हत्या का होना सामने आने के बाद पुलिस में मंगलवार को मामले का खुलासा कर दिया। हत्या में मृतक का चाचा शामिल होना सामने आया है। मामूली विवाद होने पर चाचा ने फावड़े से हमला कर हत्या की थी। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि सोमवार देर शाम मुरलीपुरा में रहने वाला मुकेश पिता कैलाश नायक 35 साल कैलाश मवेशियों के बारे में मिली थी, मुकेश मुरलीपुरा में रहने वाले सुभाष रायकवार के खेत पर मवेशियों के बाड़े में काम करता था। जिसके साथ चाचा मनोहर भी हाली के रूप में कार्यरत था। दोनो का खाना सुभाष के घर से आता था। दोपहर में मुकेश खाना लेकर आया था। चाचा के साथ खाना खाने के बाद शाम को सुभाष रायकवार मवेशियों के तबेले पहुंचा तो देखा कि मवेशियों को नहीं खोला गया है। बाहर उसे मनोहर घुमता हुआ मिला जिसने चाय पीने के रुपए मांगे और सुभाष से लेकर चला गया। सुभाष बाड़े में गया तो उसने मुकेश को खाट पर पड़ा देखा जो खून से सना हुआ था। कुछ देर बाद ही मनोहर लौट आया। जिससे पूछताछ की गई तो उसने कहा कि वह तो चाय पीने गया था। मुकेश की हत्या का संदेह मनोहर पर होते ही उसे पकड़ा गया और पुलिस को सूचना दी गई। तत्काल ही पुलिस घटना स्थल पहुंची। इस दौरान मृतक मुकेश का भाई लखन भी घटना स्थल पर आ गया था। पुलिस ने मनोहर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। जानकारी सामने आई है कि खाना खाने के बाद दोनों के बीच काम को लेकर विवाद हुआ था और मनोहर ने अपने ही भतीजे की फावड़े से वार कर हत्या कर दी थी। थाना प्रभारी के अनुसार चंद घंटे में मामले का खुलासा होने पर मनोहर के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया और घटनास्थल से खून लगा फावड़ा बरामद कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

आधी रात को चरक अस्पताल में एंबुलेंस को लेकर तोड़फोड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चरक अस्पताल में सोमवार मंगलवार का रात में दो घायलों के परिजनों ने जमकर हंगामा किया और तोड़फोड़ की। एंबुलेंस आने में देरी होने पर घटनाक्रम सामने आया है अस्पताल प्रबंधन की ओर से मामले की शिकायत पुलिस को की गई है। कोतवाली पुलिस अस्पताल में तोड़फोड़ करने वालों की पहचान के प्रयास कर रही ।

चरक भवन स्टाफ ने बताया कि रात 1 बजे के लगभग कार्तिक मेला ग्राउंड की ओर से दुर्घटना में घायल दो युवकों को कुछ लोग अस्पताल लेकर पहुंचे थे। दोनों का इमरजेंसी में उपचार शुरू किया जाता उससे पहले ही घायलों से जुड़े परिवार के कई लोग आ गए। दोनों को इमरजेंसी में प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया एक एंबुलेंस आने पर एक घायल को रवाना किया गया दूसरे घायल को भेजने के लिए एंबुलेंस का इंतजार किया जा रहा था जिसके आने में देरी होते ही घायलों के साथ आए लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया और आरोप लगाते हुए तोड़फोड़ शुरू कर दी। हंगामा करने वालों की संख्या काफी अधिक थी उन्होंने इमरजेंसी में गेट के कांच फोड़ दिए। तोड़फोड़ और हंगामे की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई। पुलिस अस्पताल पहुंची इससे पहले ही तोड़फोड़ करने वाले भाग निकले दूसरे घायल को भी रवाना किया गया लेकिन इससे पहले उन्होंने एंबुलेंस में भी तोड़फोड़ कर दी। कोतवाली पुलिस द्वारा अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरो के माध्यम से घायल और तोड़फोड़ करने वालों की जानकारी जुटा रही है उसके बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल प्रबंधन ने मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

अधिकतम तापमान फिर लौटा 44 डिग्री पर, गर्मी और बढ़ी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में लगातार तीन दिनों तक नीचे जाने के बाद कल दिन और रात का पारा फिर उछला। दिन का तापमान बढ़कर फिर से 44 डिग्री पर आ गया। वहीं रात का तापमान भी उछलकर 27.5 डिग्री पर पहुंच गया। तापमान में आई इस तेजी के कारण शहर एक बार फिर तीखी गर्मी की चपेट में नजर आया। दिन में गर्भ हवाएं लू की लपटों जैसी लगीं, वहीं सूरज ढलने के बाद भी हवाओं में गर्माहट कम नहीं हुई। वेधशाला के अनुसार आज और कल भी तापमान में यह तेजी जारी रहेगी। इसके बाद पारे में गिरावट का दौर शुरू होगा।

वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 44.0 डिग्री रहा, जो सामान्य से 5 डिग्री और परसों की अपेक्षा 1 डिग्री ज्यादा था, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री और कल की अपेक्षा 0.7 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं का रुख पश्चिमी रहा और अधिकतम रफ्तार 6 किलोमीटर प्रतिघंटे तक रही। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि आज और कल भी दिन का तापमान 44 डिग्री और रात का 28 डिग्री के करीब बना रहेगा। इसके बाद कल बुधवार से तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। तापमान गिरकर 42 डिग्री या उससे भी नीचे जा सकता है। इससे शहर को तीखी गर्मी से राहत मिलेगी। माह के अंत तक तापमान ऐसा ही बने रहने की उम्मीद है।

जून की हो सकती है भीगी शुरुआत- मौसम वैज्ञानिकों ने संभावना जताई है कि 1 जून से शहर में प्री मानसून एक्टिविटी सक्रिय रूप से देखने को मिल सकती है। जून की शुरुआत में ही शहर में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। इससे तापमान में और कमी आएगी और गर्मी का असर कमजोर पड़ेगा। इंदौर में 15 जून तक मानसून आने की संभावना भी जताई जा रही है।

बस में सूरत से मुरैना की यात्रा कर रहे युवक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बस में सूरत से मुरैना की यात्रा कर रहे युवक की तबीयत बिगड़ गई। उसे इंगोरिया में उतारा गया और स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां से उज्जैन रैफर किया गया लेकिन रास्ते में मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि मुरैना के महुआ में रहने वाला मोनू पिता हरवीरसिंह 40 साल सूरत में एम्बॉयडरी मशीन का काम करता था। सोमवार को बस से मुरैना लौट रहा था। रास्ते में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसके साथ मुरैना का रहने वाला युवक था। उसने इंगोरिया में बस से उतारा और लोगों की मदद से स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचा। जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उज्जैन रैफर कर दिया। 108 एम्बुलेंस रात 8 बजे के लगभग चरक अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण किया और ईसीजी कराया गया। लेकिन युवक की सांसे थम चुकी थी। आशंका जताई गई है कि युवक को दिल का दौरा पड़ा था। शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रख मामले की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई है। युवक के परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

नकाबपोशों ने किया दो किन्नरों पर हथियारों से हमला

एक गंभीर घायल, 3.50 लाख आभूषण लूटने का आरोप

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल के नई दिल्ली में रात 11 बजे नकाबपोशों ने घर में घुसकर दो किन्नरों पर हथियारों से हमला कर दिया। एक को गंभीर हालत में उज्जैन लाया गया। घायल किन्नर ने लूट का आरोप लगाया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज सुबह उन्हेल से किन्नर कविता गुरु शकीला को उन्हेल से घायल हालत में उज्जैन चरक अस्पताल रेफर किया गया है। गंभीर घायल कविता ने बताया कि वह उन्हें स्थित नई दिल्ली में अपनी सेवक मिस्टी के साथ रहती है। रात 11 बजे के लगभग तीन नकाबपोश घर में घुस आए थे जिन्होंने तलवार और डंडे से हमला किया। उन्होंने मुझे मारपीट करने के बाद कमरे में बंद कर दिया और मिस्टी को बंधक बनाते हुए 3.50 लाख रुपए नगद, एक मंगलसूत्र और चांदी की पायजेब लूट कर ले। मिस्टी का उपचार उन्हेल में चल रहा है। किन्नर कविता ने बताया कि हमलावरों ने नकाब बंद रखा था जिसके चलते वह उन्हें पहचान नहीं पाई है। मामले में उन्हेल थाना प्रभारी संतोष चौहान का कहना था कि उन्हें किन्नरों के साथ मारपीट की सूचना मिली है। लूट की घटना स्पष्ट नहीं हो पाई है। फिलहाल दोनों घायल किन्नरों का उपचार चल रहा है। दोनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू की जाएगी। फिलहाल नकाबपोशो का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी देखे जा रहे हैं जांच के बाद ही किन्नरों के साथ हुई मारपीट का मामला स्पष्ट हो पाएगा।

28 और 29 को होगा नगर भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस माह के अंत में भाजपा का महत्वपूर्ण आयोजन होने जा रहा है। संगठन को आने वाले कार्यक्रमों के लिए उचित दिशा-निर्देश और नए पदाधिकारियों को ट्रेनिंग देने के लिए प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए नगर भाजपा द्वारा 28 और 29 मई को प्रशिक्षण वर्ग रखा गया है, जिसमें प्रदेश और राष्ट्रीय स्तरीय नेता भी वक्ता के तौर पर मौजूद रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि भाजपा में कार्यकर्ता आधारित प्रशिक्षण वर्ग समय-समय पर आयोजित किए जाते रहे हैं। अभी प्रशिक्षण वर्ग की कार्यशाला का अभियान चल रहा है।

मंडल स्तर पर कार्यशाला होने के बाद अब आखिरी दौर में जिला स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है।जो पूरे प्रदेश में 31 मई तक आयोजित की जाना है। शहर भाजपा की बैठक 28 और 29 मई को होना है। भाजपा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी डॉ. राकेश पंड्या ने बताया कि इसके लिए शहर में स्थित राजाराम रिसोर्ट का चयन किया गया है, जहां कार्यकर्ताओं के रुकने के लिए कमरे भी बने हुए हैं। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्रीय तथा प्रदेश स्तर के वक्ता शामिल हांगे और विभिन्न विषयों पर शिविरार्थियों को ट्रेनिंगे देंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग की तैयारी पूरी हो चुकी है और श्विर में अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारियों को अनिवार्य रूप से वर्ग में उपस्थित करने के लिए भी संपर्क किया जा रहा है। दो दिन होने जा रहे प्रशिक्षण वर्ग में 8 से अधिक सत्र आयोजित होंगे।

जिसमें राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के वक्ता कार्यकर्ताओं को विभिन्न विषयों पर उद्बोधन देंगे। इस दौरान नगर कार्यकारिणी, प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा प्रकोष्ठ के अलावा मंडल प्राधिकरण के अध्यक्ष आदि भी शामिल होंगे।

ओइस्टर रिन्यूएबल और डालमिया सीमेंट ने लगभग 270 करोड़ की 31.6 मेगावाट हाइब्रिड पावर परियोजना के साथ औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन (कार्बन उत्सर्जन कम करने) को दिया बढ़ावा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्र पर केंद्रित नवीकरणीय ऊर्जा समाधान प्रदाता कंपनी ओइस्टर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड ने आज आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में 31.6 मेगावाट की सौर-पवन हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना स्थापित करने की घोषणा की। यह ओइस्टर रिन्यूएबल के बड़े पैमाने पर चल रहे औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन प्रोजेक्ट्स के बढ़ते पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

ओइस्टर रिन्यूएबल द्वारा लगभग ?270 करोड़ के निवेश से विकसित की जा रही इस परियोजना में 21.6 मेगावाट पवन ऊर्जा और 10 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को शामिल किया गया है। एक ही स्थान पर स्थित यह हाइब्रिड सेटअप औद्योगिक खपत के लिए अधिक स्थिर और संतुलित नवीकरणीय ऊर्जा प्रोफाइल सुनिश्चित करता है। इस परियोजना के 2027 में चालू होने की उम्मीद है।

इस विकास पर विचार व्यक्त करते हुए, ओइस्टर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ, सिद्धार्थ भाटिया ने कहा यह परियोजना भारत के औद्योगिक क्षेत्र के लिए बड़े पैमाने पर हाइब्रिड एसेट्स (परिसंपत्तियां) प्रदान करने के ओइस्टर रिन्यूएबल के ट्रैक रिकॉर्ड में एक महत्वपूर्ण जुड़ाव है। साथ ही, यह डालमिया सीमेंट को सालाना भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन कम करने और अपनी स्थिरता प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। सीमेंट जैसे भारी उद्योग उन क्षेत्रों में शामिल हैं जहाँ कार्बन उत्सर्जन कम करना सबसे कठिन है, और इसलिए इस पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। इस परियोजना से सालाना लगभग 70,000 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है। यह ?30,000 करोड़ के नियोजित निवेश के साथ 2030 तक 3.5 गीगावाट हाइब्रिड नवीकरणीय क्षमता बनाने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। हम डालमिया सीमेंट के साथ इस साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं, जो वैश्विक सीमेंट क्षेत्र में सबसे कम छ्ह्2 उत्सर्जन वाले फुटप्रिंट्स वाली कंपनियों में से एक है।÷

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए डालमिया भारत लिमिटेड के सीएफओ, श्री धर्मेन्द्र टुटेजा ने कहा÷ यह परियोजना डालमिया सीमेंट की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है और 2040 तक कार्बन-नेगेटिव (जितना कार्बन उत्सर्जन हो, उससे अधिक सोखना) बनने की हमारी आकांक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह 31.6 मेगावाट की हाइब्रिड पावर परियोजना सालाना लगभग 70,000 मीट्रिक टन CO_2 उत्सर्जन को कम करेगी, जिससे हमारे प्लांट-स्तर की कार्बन दक्षता और स्थिरता मानकों को सीधे मजबूती मिलेगी। ओइस्टर रिन्यूएबल के साथ यह साझेदारी हमारे डीकार्बोनाइजेशन रोडमैप को और तेज करेगी।

ओइस्टर रिन्यूएबल का हाइब्रिड मॉडल – जिसमें बड़े स्तर पर सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं को एक ही स्थान पर विकसित किया जाता है – भारत के औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन अभियान में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस तरह की साझेदारियां यह दिखाती हैं कि विशेष रूप से तैयार की गई नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना ऊर्जा-गहन उद्योगों को भरोसेमंद और प्रतिस्पर्धी दरों पर स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करा सकती है।

ओइस्टर की विकास नीति के अनुरूप इस परियोजना में स्थानीय श्रमिकों की भागीदारी और क्षेत्रीय सप्लाई चेन को भी प्राथमिकता दी गई है, ताकि स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के कांडी गांव क्षेत्र में स्थानीय समुदायों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी सुनिश्चित हो सके।

तीन जगह पाइप लाइन फूटी, कई इलाकों में नहीं पहुंचा पानी

शास्ताबाद में गंदा और बदबूदार पानी आने से लोग नाराज, वार्ड-4 में भी हंगामा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की जलप्रदाय व्यवस्था एक बार फिर लड़खड़ा गई। मंगलवार को शहर में तीन अलग-अलग स्थानों पर पाइप लाइन फूटने से कई इलाकों में पानी सप्लाई प्रभावित रही। कहीं पानी पहुंचा ही नहीं तो कहीं कम दबाव और गंदे पानी की शिकायतें सामने आईं। वार्ड-4 में स्थिति बिगड़ने पर सहायक यंत्री को मौके पर पहुंचना पड़ा। गर्मी के बीच पानी की समस्या से परेशान लोगों ने निगम प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

शास्ताबाद की गली, तैय्यबपुरा बाखल और निजातपुरा क्षेत्र के रहवासियों ने बताया कि कई दिनों से पानी पर्याप्त दबाव से नहीं आ रहा। कुछ घरों में गंदा और बदबूदार पानी पहुंच रहा है, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।

निगम प्रशासन के मुताबिक निर्माण कार्यों के दौरान पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त हो रही हैं, जिससे जलप्रदाय व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मंगलवार को श्रीजी हॉस्पिटल के सामने देसाईनगर क्षेत्र में बड़ी पाइप लाइन फूट गई। वहीं निजातपुरा में चकाचक भैरव क्षेत्र के पास पाइप कनेक्शन की गड़बड़ी से पानी का दबाव कम हो गया।रहवासियों का कहना है कि सुबह-सुबह पानी के इंतजार में लोग घंटों बैठे रहते हैं, लेकिन नलों में दो मिनट भी पानी नहीं आता। कई परिवार निजी टैंकरों और बोरिंग के भरोसे हैं। मस्जिद परिसर का कुआं भी सूख जाने से परेशानी और बढ़ गई है। निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा ने कहा कि पाइप लाइन फूटने की शिकायत मिलते ही मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कई जगह लोग मोटर चालू छोड़ देते हैं, जिससे सप्लाई बंद होने पर सीवरेज का पानी पाइप लाइन में खिंच जाता है और गंदे पानी की समस्या पैदा होती है। इधर शहर में पानी संकट के बीच महापौर के चारधाम यात्रा पर होने को लेकर भी लोगों में चर्चा रही। रहवासियों ने कहा कि भीषण गर्मी में जल संकट से जूझ रहे शहर को प्राथमिकता मिलना चाहिए।

उज्जैन में चाईल्ड हेल्पलाईन पर 967 बच्चों की पुकार

65 शिकायतें अब भी लंबित – महाकाल मंदिर से रेलवे स्टेशन तक भीख मांगते मिले 27 बच्चे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर सरकारी दावों के बीच कई चिंताजनक तस्वीरें सामने आई हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन पर इस साल अब तक 967 शिकायतें पहुंच चुकी हैं, जिनमें से 65 मामलों में अब भी कार्रवाई अधूरी है। वहीं महाकाल मंदिर, रेलवे स्टेशन और शहर के प्रमुख चौराहों पर 27 बच्चे भिक्षावृत्ति करते मिले। इन आंकड़ों ने शहर में बाल संरक्षण व्यवस्था को लेकर सोचने पर मजबूर कर दिया है।

सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में यह जानकारी सामने आई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने की। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश पाठक ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक बाल कल्याण समिति में 59 प्रकरणों का निराकरण किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर कई चुनौतियां बनी हुई हैं। बैठक में सामने आया कि भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के दौरान महाकालेश्वर मंदिर, चामुंडा माता मंदिर, रेलवे स्टेशन, तीन बत्ती चौराहा और महामृत्युंजय द्वार जैसे क्षेत्रों में 27 बच्चे भीख मांगते मिले। बाद में इन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर परिवारों के सुपुर्द किया गया। सवाल यह है कि धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर लगातार बच्चों के भीख मांगने की स्थिति आखिर क्यों बन रही है। अधिकारियों ने बताया कि पॉक्सो एक्ट के तहत 11 मामले दर्ज हुए हैं। वहीं जिले में 21 बाल विवाह भी रुकवाए गए। बैठक में यह भी स्वीकार किया गया कि बाल संरक्षण गृहों और बाल देखरेख संस्थाओं में कई पद अब भी रिक्त हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने आगामी सिंहस्थ-2028 को देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी को मेले में खोया-पाया केंद्र स्थापित करने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। प्रशासन का मानना है कि सिंहस्थ में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच बच्चों के बिछडऩे और मानव तस्करी जैसी आशंकाओं को देखते हुए पहले से तैयारी जरूरी है। उल्लेखनीय है की पिछली बार हुई स्वास्थ्य समिति की बैठक में भी महिला एवं बाल विकास विभाग की बड़ी लापरवाही उजागर हुई थी। उस दौरान जिले में चिन्हित किए गए 1000 कुपोषित बच्चों में से केवल 523 को स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल पर अपलोड किया गया था। इस पर कलेक्टर ने नाराज की जताई थी और महिला एवं बाल विकास विभाग के कई कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस से लेकर निलंबन तक की कार्रवाई की थी। इसके बावजूद विभाग के जवाबदार अपने कार्यों के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

बच्चों से जुड़े आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता-

चाइल्ड हेल्पलाइन पर कुल शिकायतें - 967

अब तक निराकृत शिकायतें - 902

लंबित शिकायतें - 65

भिक्षावृत्ति करते मिले बच्चे - 27

रोके गए बाल विवाह - 21

पॉक्सो एक्ट के मामले - 11

मक्सी रोड पर जान जोखिम में डालकर ई-रिक्शा का सफर

वीडियो सामने आते ही हरकत में आई ट्रैफिक पुलिस- 3700 रुपए का चालान काटा-बैठक भी लगवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने उज्जैन शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और ई-रिक्शा संचालन की हकीकत उजागर कर दी। मक्सी रोड पर एक ई-रिक्शा चालक क्षमता से कहीं ज्यादा सवारी भरकर वाहन दौड़ाता नजर आया। वीडियो में चालक ने ई-रिक्शा में 8 लोगों को बैठा रखा था। ड्राइवर सीट के दोनों ओर लोग लटके हुए थे, जबकि पीछे पायदान पर भी दो सवारी खड़ी थीं। ऊपर छत पर सामान रखा था और ई-रिक्शा हिचकोले खाते हुए सड़क पर दौड़ रहा था।

वीडियो वायरल होते ही ट्रैफिक पुलिस हरकत में आई और चालक की तलाश शुरू की गई। काफी मशक्कत के बाद उसकी पहचान शंकरपुर निवासी राकेश चावड़ा के रूप में हुई। पुलिस उसे थाने लेकर पहुंची, जहां पहले 3700 रुपए का चालान बनाया गया। इसके बाद ट्रैफिक नियमों का पाठ पढ़ाने के लिए उससे उठक-बैठक भी लगवाई गई। शहर में लगातार बढ़ रहे ई-रिक्शा यातायात विभाग के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। जानकारी के मुताबिक उज्जैन में 10 हजार से ज्यादा ई-रिक्शा चल रहे हैं, जबकि पंजीकृत वाहनों की संख्या करीब 5 हजार ही है। यानी आधे से ज्यादा ई-रिक्शा बिना वैध रजिस्ट्रेशन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। यातायात पुलिस ने ई-रिक्शा संचालन के लिए दिन और रात की दो शिफ्ट का नियम भी बनाया था, लेकिन इसका पालन जमीन पर नजर नहीं आता। न चालक नियम मान रहे हैं और न ही जिम्मेदार विभाग लगातार अभियान चलाकर सख्ती दिखा पा रहे हैं। ऐसे में ओवरलोडिंग और लापरवाही से हादसों का खतरा लगातार बना हुआ है।

शहर में ई-रिक्शा की स्थिति

-10 हजार से ज्यादा ई-रिक्शा सड़कों पर

-केवल करीब 5 हजार का रजिस्ट्रेशन

-ओवरलोडिंग पर लगातार शिकायतें

-शिफ्ट सिस्टम का पालन नहीं

-वायरल वीडियो के बाद कार्रवाई तेज

पुलिस की अपील- ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि क्षमता से अधिक सवारी वाले वाहनों में सफर न करें और यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा करें।